साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 305 | जौनपुर, गुरूवार, 01 अगस्त 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

पूरे प्रदेश में फिर सक्रिय हुआ मानसून

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में मानसून के फिर से सक्रिय होने से बुधवार को झमाझम बारिश हुई। सावन की इस पहली मूसलाधार बरसात से धान की फसल के लिए बारिश का इंतजार कर रहे किसानों के चेहरे खिल गए तो वहीं उमस भरी गर्मी से लोगों को राहत मिली। धान की फसल के लिए यह बारिश वरदान साबित होने वाली है। बीते कुछ दिनों से धूप, उमस और गर्मी से हलकान किसान बारिश की आस लगाए बैठे थे। बुधवार को उत्तर प्रदेश के आजमगढ़, सिद्धार्थनगर, सोनभद्र, लखनऊ, महराजगंज आदि इलाकों में हुई भारी बारिश से कई जगहों पर जलभराव की स्थिति पैदा हो गई। मौसम विभाग ने दर्जन भर जिलों में भारी से अत्यधिक बारिश और वज्रपात की चेतावनी जारी किया है। दिन के अधिकतम तापमान की बात करें तो बुधवार को प्रदेश में बस्ती व बुलंदशहर में सर्वाधिक 38 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। मेरठ में 37.4 डिग्री और बलिया व मुजफ्फर नगर में 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं रात में वाराणसी में सबसे कम 23.1 डिग्री सेल्सियस तो गोरखपुर में 23.9 डिग्री और चुर्क में 24 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा।

छात्रों की मौत के बाद दिल्ली एलजी सख्त

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में कोचिंग संस्थानों से संबंधित सभी मुद्दों के समाधान के लिए मुख्य सचिव के अधीन एक समिति गठित करने का निर्देश दिया। प्रस्ताव में एक शैक्षिक केंद्र स्थापित करना और सभी कोचिंग संस्थानों को निर्दिष्ट स्थान पर स्थानांतरित करना भी शामिल है। ये निर्देश दिल्ली के पुराने राजिंदर नगर इलाके में एक सिविल सेवा कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में भारी बारिश के कारण बाढ़ आने से तीन छात्रों की मौत के कुछ दिनों बाद आए हैं। मुख्य सचिव एक समिति के अध्यक्ष होंगे जिसमें कोचिंग संस्थानों के 5–6 प्रतिनिधि ा, छात्रों के प्रतिनिधि और संबंधि ात विभागों के अधिकारी शामिल होंगे। राज्यपाल के कार्यालय ने एक बयान में कहा, यह समिति विनियमन, मकान मालिकों द्वारा अत्यधिक किराये, आग की मंजूरी, नालों से गाद निकालने और छात्रों की अन्य तत्काल जरूरतों से संबंधित सभी मुद्दों को व्यापक रूप से संबोधित करेगी ताकि सभी मापदंडों को पूरा करते हुए एक अनुकूल शैक्षणिक माहौल तैयार किया जा सके। कोचिंग सेंटरों और उनके आवासीय स्थानों की खराब स्थिति पर विरोध प्रदर्शन कर रहे आईएएस उम्मीदवारों के एक समूह ने राज्यपाल से मुलाकात की और अपनी मांगों पर जोर दिया। जन प्रतिनिधियों, एमसीडी और पुलिस की सामान्य उदासीनता के अलावा, कोचिंग संस्थानों और इलाके के मकान मालिकों द्वारा शोषणकारी किराए की मांग पर प्रकाश डाला।

हमारी सरकार ने आठ लाख कर्मचारियों के पेंशन खाते खोले - योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को विधान परिषद में न्यू पेंशन स्कीम (एनपीएस) को लेकर वक्तव्य दिया। एनपीएस पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद राज्य के करीब 8 लाख कर्मचारियों के पेंशन खाते को खोलने का कार्य किया गया। उन्होंने कहा कि 2005 में जब न्यू पेंशन स्कीम लागू हुई, तब प्रदेश में मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व में सपा की सरकार थी। वहीं, 2007 से 2012 तक बसपा और फिर 2012 से 2017 तक सपा सत्ता में थी, मगर ये दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक भी कर्मचारी के पेंशन खाते नहीं खोले गए। 2018 में जब ये बात हमारे संज्ञान में आई, तब हमने तत्कालीन फाइनेंस सेक्रेटरी

की अध्यक्षता में कमेटी गठित की। इसमें संबंधित विशेषज्ञों को भी रखा गया। कर्मचारी संगठनों से भी चर्चा की गई। ये लगभग आठ लाख कर्मचारियों से संबंधित मुद्दा था। तब ये बात सामने आई थी कि कर्मचारी की लास्ट पेमेंट जो ड्रॉ होगी, उसका 50 प्रतिशत देने के लिए आवश्यक होगा कि सरकार अपना शेयर बढ़ाए। उन्होंने कहा कि आकलन में पता लगा कि अगर सरकार और कर्मचारी समय से पैसा जमा करें और कर्मचारी किसी स्कीम से अपना पैसा जोड़ता है तो रिटायरमेंट के बाद करीब 60 प्रतिशत तक पैसा पेंशन के रूप में उसे प्राप्त हो सकता है। इसके बाद हमने पेंशन स्कीम में सरकार के शेयर को 10 फीसदी से बढ़ाकर 14 प्रतिशत किया है। हमने सभी कर्मचारियों के अकाउंट खोले, 2005 से 2017 तक का पैसा जो कर्मचारियों के खाते में नहीं गया था, क्योंकि खाता ही नहीं था, उस पैसे को भी डालने का कार्य किया। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि 2005 में न्यू पेंशन स्कीम लागू होने के वक्त जिन कर्मचारियों की नियुक्ति अंतिम चरण में थी, ऐसे 70 हजार लोगों को ओल्ड पेंशन स्कीम में ही रखा, इनमें एक बड़ी संख्या शिक्षकों की है।

पीएम को पता होना चाहिए कहां बोलना है और किसका बचाव करना - खड़गे

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभापति से भाजपा सांसद घनश्याम तिवारी द्वारा उनकी राजनीतिक यात्रा पर की गई टिप्पणियों को हटाने के लिए कहा, जिसमें उल्लेख किया गया था कि कांग्रेस अध्यक्ष का पूरा परिवार राजनीति में शामिल था। उन्होंने परिवारवाद के संबंध में एक टिप्पणी की। खड़गे ने कहा, अनुरोध है कि इसे (रिकॉर्ड से) हटा दिया जाना चाहिए। सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि वह तिवारी द्वारा मंगलवार को सदन में की गई टिप्पणियों पर गौर करेंगे और आश्वासन दिया कि कांग्रेस नेता को ठेस पहुंचाने वाला कोई भी शब्द रिकॉर्ड में नहीं रहेगा। खड़गे ने अपनी पृष्ठभूमि के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि वह पहली पीढ़ी के राजनेता थे जिन्होंने अपना करियर कांग्रेस पार्टी से शुरू

किया था। उन्होंने बताया कि उनके पिता का 85 साल की उम्र में निधन हो गया था। इसके जवाब में चेयरमैन धनखड़ ने खड़गे की लंबी उम्र की कामना की, जिस पर खड़गे ने कहा, मैं इस माहौल में ज्यादा दिन तक नहीं रहना चाहता। सदन में एक सूचीबद्ध पेपर की प्रस्तुति के बाद, खड़गे ने तिवारी द्वारा की गई टिप्पणियों को संबोधित किया, जिन्होंने खड़गे के राजनीतिक करियर पर टिप्पणी की थी और उल्लेख किया था।

लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने मणिपुर के राज्यपाल के रूप में शपथ ली

मणिपुर, एजेंसी। मणिपुर के नवनियुक्त राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने 31 जुलाई को इम्फाल के राजभवन के दरबार हॉल में पद की

शपथ ली। नवनियुक्त राज्यपाल को शपथ मणिपुर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मृदुल ने दिलाई। आचार्य 30 जुलाई को इंफाल पहुंचे जहां मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह, मणिपुर विधानसभा के अध्यक्ष सत्यब्रत सिंह, विभिन्न मंत्रियों, विधायकों, मुख्य सचिव डॉ विनीत जोशी, सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह, डीजीपी राजीव सिंह और राजभवन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। आचार्य को असम का राज्यपाल नियुक्त किया गया है और उन्हें मणिपुर के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। इससे पहले 30 जुलाई को मंगलवार दोपहर गुवाहाटी में असम के राज्यपाल पद की शपथ ली थी। नवनियुक्त राज्यपाल को शपथ गौहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश विजय बिश्नोई ने श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, कैबिनेट मंत्रियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में दिलाई। वहीं, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ओम प्रकाश माथुर ने बुधवार को सिक्किम के 16वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली।

झारखंड के 12वें राज्यपाल बने संतोष गंगवार

रांची, एजेंसी। बरेली से आठ बार के सांसद रहे संतोष गंगवार ने बुधवार को झारखंड के 12वें राज्यपाल के तौर पर शपथ ली। रांची स्थित राजभवन में झारखंड उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, विधानसभा के स्पीकर रबींद्रनाथ महतो, झारखंड सरकार के कई मंत्री, विभिन्न दलों के नेता, वरिष्ठ पुलिस–प्रशासनिक अधिकारी और गणमान्य लोग उपस्थित थे। राज्यपाल संतोष गंगवार के परिवारीजन एवं बरेली के कई शहरवासी भी गौरवपूर्ण पलों के साक्षी बने। शपथ लेने के पूर्व संतोष गंगवार ने बिरसा मुंडा स्मृति पार्क–सह–संग्रहालय जाकर धरतीआबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। झारखंड के नवनियुक्त राज्यपाल संतोष गंगवार मंगलवार शाम रांची पहुंच गए थे। रांची एयरपोर्ट पहुंचने पर पर गार्ड ऑफ ऑनर के बाद

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और अन्य मंत्रियों ने संतोष गंगवार का स्वागत किया। इस दौरान बरेली से साथ गए करीबी लोग भी मौजूद रहे। शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए भी शहर को कई लोगों को राजभवन से आमंत्रण मिला। ये लोग बुधवार सुबह फ्लाइट से रांची पहुंचे। उप्र उद्योग व्यापार मंडल के प्रांतीय महामंत्री राजेंद्र गुप्ता के साथ दुर्गेश खटवानी, संजीव चांदना, राजेश जसोरिया भी समारोह में शामिल हुए।

पहुंचे राजभवन

राज्यपाल संतोष गंगवार के साथ उनका बेटा अपूर्व, बेटी श्रुति व दामाद सुबोध भी रांची पहुंचे। आईवीआरआई के निदेशक डॉ. त्रिवेणी दत्त, लोक सेवा आयोग के पूर्व चेयरमैन डॉ. प्रदीप जोशी, ब्रज क्षेत्र के सह मीडिया प्रभारी मनीष अग्रवाल, भाजपा नेता मनोज थपलियाल आदि लोग शपथ समारोह में शामिल हुए। बरेली से राज्यपाल नियुक्त होने वाले संतोष गंगवार पहले राजनेता हैं। वह वर्ष 1989 से वर्ष 2004 तक लगातार सांसद रहे। सिर्फ वर्ष 2009 में कांग्रेस ने उनका विजय रथ रोका था। उसके बाद वर्ष 2014 व 2019 में वह फिर लगातार सांसद चुने गए। वह केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी व मोदी सरकार में मंत्री भी रहे।

11 अपर पुलिस अधीक्षक, आठ आईपीएस अधिकारियों तबादला

लखनऊ, संवाददाता। डीजीपी मुख्यालय ने बुधवार को 11 अपर पुलिस अधीक्षकों (एएसपी) का तबादला कर दिया। फिरोजाबाद में एएसपी ग्रामीण कुंवर रणविजय सिंह को मुरादाबाद का एएसपी सिटी बनाया गया है। मुरादाबाद में तैनात अखिलेश भदौरिया को उनके स्थान पर फिरोजाबाद भेजा गया है। प्रयागराज कमिश्नरेट में पुलिस उपायुक्त शिवराम यादव को पीटीएस मेरठ भेजा गया है। पीटीएस मेरठ में तैनात श्रीपाल यादव को अभिसूचना मुख्यालय में तैनात किया गया है। इसके अलावा संतकबीरनगर में तैनात शशि शेखर सिंह को एटीएस भेजा गया है। बदायूं में तैनात सुशील कुमार सिंह प्रथम को संतकबीरनगर भेजा गया है। लखनऊ कमिश्नरेट में तैनात अपर पुलिस उपायुक्त अजय कुमार तृतीय को कन्नौज भेजा गया है। अयोध्या में तैनात अशोक कुमार सिंह द्वितीय को लखनऊ कमिश्नरेट में अपर पुलिस उपायुक्त बनाया गया है। सीतापुर स्थित पीएसी की द्वितीय वाहिनी में तैनात बलरामाचारी दुबे को अयोध्या में एएसपी सुरक्षा बनाया गया है। गाजियाबाद स्थित पीएसी की 41वीं वाहिनी में तैनात अलका ध र्मराज को मेरठ में एसपी एलआईयू बनाया गया है। एटीसी सीतापुर में तैनात दिनेश यादव को 41वीं वाहिनी पीएसी भेजा गया है। शासन ने बुध वार को कुशीनगर और फतेहपुर के एसपी समेत 8 आईपीएस अफसरों का तबादला कर दिया। कुशीनगर के एसपी धवल जायसवाल को फतेहपुर का एसपी बनाया गया है, जबकि फतेहपुर के एसपी उदय शंकर सिंह को एसपी के पद पर भेजा गया है।

लेफ्ट सरकार को लैंडस्लाइड पर पहले ही चेताया गया - शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में केरल के वायनाड में हुई भूस्खलन को लेकर बुधवार को अपनी बात रखी। उन्होंने इस घटना में मारे

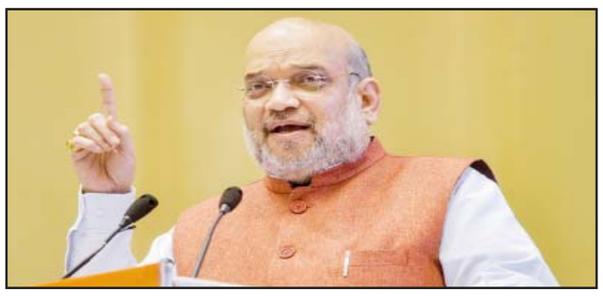

गए लोगों के परिवार वालों के प्रति संवेदना व्यक्त की। अमित शाह ने कहा कि इस घटना में जितने भी लोग हताहत हुए हैं और घायल हुए हैं, उन सभी के परिवारजनों के साथ मैं अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। उन्होंने केरल की लेफ्ट सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मैं सदन के सामने स्पष्ट करना चाहता हूं कि 23 जुलाई को केरल सरकार को अर्ली वार्निंग भारत सरकार की ओर से दी गई थी, सात दिन पहले ही, फिर 24 को, 25 को भी दी गई थी। 26 जुलाई को बताया गया कि 20 सेंटीमीटर से ज्यादा वर्षा होगी, लैंडस्लाइड होने की संभावना है, मिट्टी भी गिर सकती है और लोग इसमें दबकर मर भी सकते हैं। मैं इस पर कुछ बोलना नहीं चाहता था, मगर भारत सरकार के अर्ली वार्निंग सिस्टम पर सवाल उठाए गए, इसलिए, मैं कहता हूं कि प्लीज लिसन अस, प्लीज लिसन अस, मत चिल्लाइए, प्लीज रीड इट... जो वार्निंग भेजी गई है, उसे पढ़िए जरा। उन्होंने कहा कि इस देश में कई राज्य सरकारें ऐसी हैं, जिन्होंने इस प्रकार की वार्निंग का उपयोग करके शून्य हताहत आपदा प्रबंधनश किया है। ओडिशा में जब नवीन बाबू की सरकार थी, तो हमने सात दिन पहले साइक्लोन का अलर्ट भेजा, सिर्फ एक व्यक्ति की मृत्यु हुई, वो भी गलती से। गुजरात सरकार को हमने तीन दिन पहले साइक्लोन का अलर्ट भेजा, एक पशु भी नहीं मरा। गृह मंत्री अमित शाह ने बताया कि भारत सरकार ने 2014 के बाद अर्ली वार्निंग सिस्टम के लिए 2,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं और इसे साझा किया जाता है। सात दिन पहले हर राज्य को सूचना भेजी जाती है। वो सूचना वेबसाइट पर सबके लिए उपलब्ध है, यहां उपस्थित माननीय सांसदों के लिए भी उपलब्ध है। कई राज्यों ने इसका उपयोग भी किया है और परिणाम भी आया है। लेकिन, कई लोग तो यहां की साइट ही नहीं खोलते हैं, विदेशों की खोलते हैं। उन्होंने कहा कि अर्ली वार्निंग सिस्टम के तहत, 23 तारीख को मेरे ही अनुमोदन से 9 एनडीआरएफ की टीमें केरल के लिए रवाना हो गई थीं कि वहां लैंडस्लाइड हो सकती है। मैं पूछना चाहता हूं कि केरल सरकार ने क्या किया? वहां से लोगों को शिफ्ट क्यों नहीं किया गया, कौन रोक रहा था।

वायनाड में हुई भूस्खलन की घटना से दुखी हूं – हेमंत

झारखंड, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन के कारण हुई लोगों की मौत पर दुख प्रकट किया। सोरेन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए, जिसमें कहा गया कि वायनाड में फंसा झारखंड का कोई भी निवासी राहत के लिए राज्य सरकार से संपर्क कर सकता है। सोरेन ने कहा, ''केरल के वायनाड जिले में हुए भूस्खलन के कारण कई लोगों के निधन की दुःखद खबर से मर्माहत हूं। परमात्मा दिवंगत लोगों की आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिजनों को दुख की यह घड़ी सहन करने की शक्ति दे।

तेजस्वी यादव निकालेंगे बिहार यात्रा

पटना, एजेंसी। बिहार की मुख्य विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अपने नेता तेजस्वी यादव की प्रदेश यात्रा के पहले विभिन्न मुद्दों को धार देने में जुटी है। विपक्षी

पार्टी आरक्षण जैसे मुद्दे को लेकर बिहार की जनता के बीच जा रही है और लगातार सत्ताधारी एनडीए को घेरने का काम कर रही है। बिहार विधानसभा में नेता विपक्ष तेजस्वी यादव ने 15 अगस्त के बाद प्रदेश की यात्रा पर निकलने की घोषणा की है। हालांकि, अभी इस यात्रा को लेकर कोई कार्यक्रम तय नहीं हुआ है। ऐसा माना जा रहा है कि इस बिहार यात्रा के दौरान तेजस्वी यादव सत्ता पक्ष को विभिन्न मुद्दों पर घेरेंगे। बिहार में जाति आधारित गणना के बाद सरकार ने आरक्षण की सीमा बढ़ा दी थी। जातिगत जनगणना से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर महागठबंध न सरकार ने अनुसूचित जाति के लिए आरक्षण की सीमा 16 से बढ़ाकर 20 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के लिए 1 से बढ़ाकर 2 प्रतिशत, अत्यंत पिछड़ी जाति के लिए 18 से बढ़ाकर 25 प्रतिशत और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 15 से बढ़ाकर 18 प्रतिशत की थी। इस तरह जाति आधारित आरक्षण की कुल सीमा 50 से बढ़कर 65 प्रतिशत हो गई। अलग से सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। इसके बाद मामला अदालत में पहुंच गया और पटना उच्च न्यायालय ने इस पर रोक लगा दी। पटना हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ बिहार सरकार सर्वोच्च न्यायालय पहुंची। दूसरी तरफ राजद इस मुद्दे पर सत्ताधारी पार्टी खासकर जदयू को घेर रही है। ऐसे में तय है कि तेजस्वी अपनी यात्रा के दौरान इस मुद्दे को हवा देंगे। इसी तरह राजद कानून व्यवस्था के मुद्दे को लेकर भी सत्ता पक्ष पर हमलावर है। तेजस्वी यादव खुद इस मुद्दे को लेकर सरकार पर निशाना साधते रहे हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि तेजस्वी अपनी बिहार यात्रा में इन दोनों मुद्दों को प्रमुखता से लेकर लोगों के बीच जाएंगे। भ्रष्टाचार के मामले भी विपक्ष को तलाशने की जरूरत नहीं है। बारिश के दिनों में लगातार पुलों का धराशायी होना विपक्ष को बड़ा मुद्दा दे दिया है। वहीं, केंद्र सरकार ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने से साफ मना कर दिया है। हालांकि, बिहार के लिए केंद्रीय बजट में बड़ी राशि का प्रावधान कर केंद्र सरकार ने इस मांग के असर को काफी हद तक कम किया है।

राजस्थान सरकार ने गांधी वाटिका न्यास, जयपुर अधिनियम को निरस्त किया

राजस्थान, एजेंसी। राजस्थान की भाजपा सरकार ने गांधी दर्शन संग्रहालय के संचालन के लिए पिछली कांग्रेस सरकार द्वारा बनाए गए गांधी वाटिका न्यास, जयपुर अधिनियम, 2023 को मंगलवार को निरस्त कर दिया। इस आशय का एक विधेयक – गांधी वाटिका न्यास, जयपुर (निरसन) विधेयक, 2024 – 15 जुलाई को राजस्थान विधानसभा में पेश किया गया था, जिसे आज सदन में चर्चा के बाद ध्वनि मत से पारित कर दिया गया। विधेयक पर बहस का जवाब देते हुए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि गांधी संग्रहालय के बेहतर संचालन और महात्मा गांधी के विचारों के व्यापक और प्रभावी प्रचार–प्रसार के लिए गांधी वाटिका न्यास जयपुर (निरसन) विधेयक पेश किया

गया है। गोदारा मंगलवार को विधानसभा में गांधी वाटिका न्यास, जयपुर (निरसन) विधेयक–2024 पर हुई चर्चा के बाद जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि गत सरकार ने गांधी संग्रहालय के संचालन के लिए तीन अक्टूबर, 2023 को गांधी वाटिका न्यास की स्थापना की। गोदारा ने कहा कि पिछले विधेयक को इसलिए निरस्त किया गया है, क्योंकि इसमें संग्रहालय के उपाध्यक्ष को व्यापक शक्तियों दी गई थी। उन्होंने कहा, "इसमें न्यास के उपाध्यक्ष को असीमित शक्तियां दी गई थी। अधिनियम में प्रावधान था कि अध्यक्ष भी किसी को हटाएगा तो उपाध्यक्ष के परामर्श से हटा पाएगा। साथ ही, किसी अयोग्यता से ग्रसित होने के बावजूद भी उपाध्यक्ष को हटाने का कोई प्रावधान नहीं किया गया।

संपादकीय

शहरों में अवैध निर्माण

कुछ वर्ष पहले देहरादून में एक साहित्यिक कार्यक्रम में मैं एक युवा लड़की से मिली। वह मुझसे मिलने के लिए बेहद उत्साहित थी, क्योंकि उत्तराखंड के एक छोटे–से शहर से निकलकर मैं दुनिया में अपनी जगह बना रही थी। वह बागेश्वर के सुदूर इलाके से थी और मुझसे आगे भी संपर्क बनाए रखने के लिए वह मेरा मोबाइल नंबर मांग रही थी। मैंने उसे अपना मोबाइल नंबर दे दिया। मैं भी उसके संपर्क में रहने से काफी खुश थी और अगले दो वर्षों तक हमारे बीच छिटपुट संवादों का आदान–प्रदान होता रहा। एक बार उसने मुझसे कहा कि देहरादून भले ही बड़ा शहर है, लेकिन उसकी आकांक्षाओं के लिए पर्याप्त नहीं है। वह अगला कदम उठाना चाहती थी और दिल्ली आकर आईएएस (सिविल सेवा परीक्षा) की तैयारी करना चाहती थी। मैं उसे यह समझाना चाह रही थी कि देहरादून में भी पर्याप्त कोचिंग संस्थान हैं और अंततः आईएएस परीक्षा में सफल होना या नहीं होना–यह सब व्यक्ति की अपनी क्षमता पर निर्भर करता है। मेरे अपने पिता नैनीताल के छोटे से पहाड़ी शहर से सिविल सेवा में सफल हुए थे। लेकिन वह अपनी बात पर अड़ी हुई थी, हालांकि दिल्ली में रहना उसके बजट से बहुत ज्यादा था। उसने मुझे बताया कि उसने काम करके कुछ पैसे बचाए हैं। उसकी एकमात्र समस्या किराये के घर की थी। वह आवास पर हर महीने 10,000 रुपये खर्च करने के लिए तैयार थी, लेकिन दिल्ली में अधिकांश आवासों, यहां तक कि साझे आवास का किराया भी कम से कम 15,000 रुपये प्रति माह या उससे अधिक था। इसके अलावा, वह दिल्ली में किसी को भी नहीं जानती थी और उसे अपना रास्ता खुद ही तलाशना था। मेरे तमाम तर्कों के बावजूद उसने अपना मन बना लिया था। मुझे एहसास हुआ कि वहां एक समानांतर संस्कृति मौजूद थी, और वह थी–आईएएस एस्पिरेंट की संस्कृति। यह एक ऐसी संस्कृति है, जिसमें न कोई बाध्यता है और न ही कोई बंधन। इस संस्कृति की यही विशेषता है कि जब कोई इन युवाओं से पूछता है कि आजकल क्या कर रहे हो, तो ये पूरी शान से जवाब देते हैं कि आईएस की तैयारी कर रहे हैं। कोचिंग संस्थान से ज्यादा वह लड़की समाज और लिंग द्वारा निर्धारित सीमाओं से परे अपनी आकांक्षाओं के गहन अनुभव की तलाश कर रही थी। उसके लिए अपने जैसे सपने देखने वाले लोगों के बीच रहना ही एक बड़ी प्रेरणा थी, इसलिए इन कोचिंग सेंटरों पर पैसे खर्च करना, जिसमें वह सक्षम नहीं थी, उसके लिए कोई मुद्दा नहीं था। वास्तव में, देश भर में फैले ये कोचिंग संस्थान लाभ कमाने वाली मशीनें हैं, जो पारंपरिक गुरु–शिष्य परंपरा को मौद्रिक मूल्य में तब्दील कर रहे हैं। इनका व्यावसायीकरण बहुत ही स्पष्ट है, परीक्षा इतनी प्रतिस्पर्धी है कि युवा पढ़ाई करने और जीवन बदलने वाली वास्तविकता को हासिल करने के लिए देश भर में यात्रा करते हैं। यह बताने की जरूरत नहीं है कि ऐसे बहुत कम लोग होते हैं, जो अपने सपने को हकीकत में बदल पाते हैं। लेकिन उनकी व्यक्तिगत और सामूहिक कमजोरी का शोषण करना एक गंभीर मामला है, खासकर तब, जब तीन युवा अभ्यर्थी इन लाभ कमाने वाले कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में अपनी जान गंवा देते हैं। वे कोई असाधारण काम नहीं कर रहे थे, जिनमें जोखिम था, बल्कि वे महज पढ़ाई कर रहे थे। यह एक हृदय विदारक घटना है कि देश के तीन अलग–अलग हिस्सों के माता–पिता अपने बच्चों को अंतिम विदाई दे रहे हैं और हमें यह दुखद एहसास हो रहा है कि हमारी व्यवस्था की गंदगी और भ्रष्टाचार हमारे युवाओं को अपनी कमाई का शिकार बना रहा है। राव कोचिंग सेंटर अपने बेसमेंट में लाइब्रेरी चला रहा था। इस त्रासद घटना की शाम भारी बारिश के कारण लाइब्रेरी में पानी घुस गया। ज्यादातर विद्यार्थ तो भागकर जान बचाने में सफल रहे, लेकिन तीन विद्यार्थी उस शाम हुई बारिश के पानी में डूब गए। इसे दुर्घटना नहीं, बल्कि हत्या ही कहा जा सकता है। बेसमेंट में नियमों का उल्लंघन करके लाइब्रेरी बनाई गई थी, जिसे नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण स्पष्ट रूप से अनदेखा किया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, स्थानीय पार्षद खुद सभी नियमों का उल्लंघन करने वाले कोचिंग सेंटर के पास की एक इमारत की मालकिन हैं। जब जिम्मेदार लोग नियमों का उल्लंघन करते हैं, तो उससे साफ है कि भ्रष्टाचार व्यवस्थागत और सामाजिक रूप से सामान्य बात हो गई है। हालांकि, किसी त्रासदी से पहले अगर कोई भी कार्रवाई की जाती है या अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाया जाता है, तो वही उल्लंघनकर्ता पीड़ित बन जाते हैं। तीन विद्यार्थियों की दुखद मौत ने अंततः यह उजागर किया है कि हमारे शहरी विस्तार में अवैध निर्माण कैसे बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित, समायोजित और सामान्य है। सीमित बजट और हाथ में वोट का अधिकार होने के साथ भारत के अधिकांशतः मध्यवर्गीय परिवारों से निकले ये युवा परिवारों के प्रोत्साहन से अपने सपनों को पूरा करने के लिए बड़े शहरों की ओर रुख करते हैं। हालांकि वे अपने भविष्य को लेकर अनिश्चित होते हैं। अगले कुछ वर्ष या तो उनके और उनके परिवार के जीवन को बदल सकते हैं, या आकांक्षाओं के सागर में वे एक बूंद के समान अपना अस्तित्व खो सकते हैं, फिर भी वे इस अवसर या चुनौती को स्वीकार करने को तैयार रहते हैं। लेकिन यह ऐसा अवसर या ऐसी चुनौती नहीं है, जिसकी वजह से उन्हें अपनी जान गंवानी पड़े। एक से ज्यादा विद्यार्थियों ने कोचिंग सेंटर और एमसीडी अधिकारियों को बाढ़ की आशंका के बारे में बताया था, लेकिन हर बार उन्हें कोई जवाब नहीं मिला।

रोबोट-वेटर कंपनी द्वारा बनाया गया एक रोबोट

आदित्य

जुलाई की शुरुआत में, दक्षिण कोरिया में एक सिविल सेवक ने आत्महत्या कर ली। गुमी सिटी काउंसिल में एक सीढ़ी के नीचे शव के अवशेष पाए गए। ऐसी अटकलें

लगाई जा रही थीं कि पूर्वी एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में एक सामान्य घटना, एक कठोर कार्य शेड्यूल के कारण श्अधिकारीश ने यह चरम कदम उठाया होगा। दक्षिण कोरिया में उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में आत्महत्या की दर काफी अधिक है – परेशान करने वाली – इसलिए, सामान्य परिस्थितियों में, एक और आत्महत्या की खबर से लोगों की भौंहें नहीं चढ़नी चाहिए थीं। लेकिन ऐसा हुआ – क्योंकि संबंधित सिविल सेवक को एक संवेदनशील प्राणी नहीं माना जाता था। यह कैलिफोर्निया स्थित रोबोट–वेटर कंपनी द्वारा बनाया गया एक रोबोट था जिसे सेवा में लगाया गया था। (इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रोबोटिक्स के अनुसार, दक्षिण कोरिया में हर 10 मानव कर्मचारियों के लिए एक औद्योगिक रोबोट काम पर रखा जाता है।) उल्लेखनीय बात यह है कि श्रोबोट सुपरवाइजरश – जिसे इस उपनाम से जाना जाता है – अपने मानव समकक्षों की तरह ही यह महसूस कर सकता था कि वह तनाव में है। परिषद के कुछ कर्मचारियों ने रिकॉर्ड पर सुझाव दिया है कि औद्योगिक रोबोट को अजीब तरह से व्यवहार करते हुए देखा गया था – यह एक स्थान पर चक्कर लगाता रहा – इससे पहले कि उसने अपने पास मौजूद जीवन को खत्म करने का फैसला किया। रोबोट की कथित चेतना के बारे में अनुमान, अगर यह सच है, तो यह कल्पना की बात नहीं होगी। वास्तव में, एलन ट्यूरिंग इंस्टीट्यूट में रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के निदेशक, जो एडिनबर्ग विश्व विद्यालय में रोबोटिक्स के चेयर प्रोफेसर भी हैं, का दृढ़ मत है कि रोबोट एक दशक के भीतर सूचित निर्णय लेने में सक्षम होंगे, जो कि जब ऐसा होगा, तो उनकी स्वायत्तता और व्यक्तिगत एजेंसी की स्पष्ट पहचान होगी। इस आसन्न भविष्य में कानून, श्रम, दर्शन जैसे विविध मानवीय क्षेत्रों के लिए लुभावने – वास्तव में क्रांतिकारी – निहितार्थ होंगे। यह संभव है कि तब कानून और श्रम को मशीन सहकर्मियों के अधिकारों और पात्रता जैसे मुद्दों पर विचार करना होगा। यह अकल्पनीय नहीं है कि कानून और श्रम अधिकारों के रक्षक नैतिक और व्यावहारिक दुविधाओं से जूझते हैं कि क्या मशीनों के लिए विशिष्ट कार्य घंटे अनिवार्य होने चाहिए ताकि न केवल औद्योगिक रोबोट बल्कि डिजिटल उपकरण, जिसमें हमारे चौबीसों घंटे काम करने वाले स्मार्टफोन भी शामिल हैं, मिस्टर रोबोट सुपरवाइजर जैसी दयनीय स्थिति में न पड़ें। यह तर्क दिया जा सकता है कि सार्वजनिक और नीतिगत चर्चाएँ असंगत रूप से मानव जाति के यांत्रिक साथियों की विकसित होती एजेंसी पर केंद्रित हैं – मंत्रमुग्ध? इतना अधिक कि ।प संस्थाओं के निर्माण में शामिल लंबी और विविध आपूर्ति श्रृंखला में श्रमिकों के एक महत्वपूर्ण हिस्से की एजेंसी की कमी के बारे में सवाल हमारी अंतरात्मा की दरारों से गायब हो रहा है। जनता की नजरों में उनकी अदृश्यता और कॉर्पोरेट कल्याण नीति से उनकी दूरी को देखते हुए, उभरती हुई एआई–केंद्रित उत्पादन अर्थव्यवस्था के अभिन्न अंग इन श्रमिकों को लौकिक आत्माओं – एआई मशीन में भूतों के रूप में वर्णित करना उचित होगा। उनमें से ज्यादातर – वंचित महिलाएँ, छात्र, पेशेवर और इसी तरह के लोग – छोटी–छोटी जिम्मेदारियाँ निभाते हैं, जिनमें मशीन लर्निंग मॉडल के लिए छवियों को लेबल करना, ऑडियो क्लिप को ट्रांसक्राइब करके वॉयस असिस्टेंट को वास्तविकता को समझने में मदद करना, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हिंसा या गलत सूचना से भरी सामग्री को रेड–फ्लैग करना और इस तरह की दूसरी चीजें शामिल हैं। मधुमिता मुर्गिया की बेहतरीन खोजी किताब कोड डिपेंडेंट, जो एआई द्वारा आकार लेने और बदले में आकार लेने वाले जीवन के परेशान करने वाले अंश प्रस्तुत करती है, को एआई के अदृश्य कर्मचारियों की दुर्दशा की जाँच करने वाली साहित्यिक और शोध परियोजनाओं के बीच ऊँचा स्थान मिलना चाहिए। कोड डिपेंडेंट की गार्जियन की समीक्षा ने सही कहा जब उसने कहा कि यह एक ष्कहानी है कि कैसे डेटा का उपयोग करके बनाए गए एआई सिस्टम हममें से कई लोगों को लाभ पहुँचाते हैं... कुछ लोगों की कीमत पर – आमतौर पर ऐसे व्यक्ति और समुदाय जो पहले से ही हाशिए पर हैं। मुर्गिया जिन वैश्विक समुदायों को परिधि से केंद्र तक लाता है, उनमें "ब्रिटेन में प्रोस्टेट कैंसर के निदान में मदद करने वाले चिकित्सा सॉफ्टवेयर को प्रशिक्षित करने वाले विस्थापित सीरियाई डॉक्टर" से लेकर "मंदी से प्रभावित वेनेजुएला में बेरोजगार कॉलेज के स्नातक" शामिल हैं, जो ई–कॉमर्स साइटों के लिए उत्पाद तैयार करते हैं और साथ ही – बहुत से लोग यह नहीं जानते होंगे – "कलकत्ता के मेटियाबुरूज की गरीब महिलाएं" जो अमेजॉन के इको स्पीकर के लिए वॉयस क्लिप लेबल करती हैं। कोड डिपेंडेंट की लेखिका अपने साथियों, ष्शोधकर्ताओं... जिनमें से अधिकतर अंग्रेजी बोलने वाले पश्चिम से बाहर की रंगीन महिलाएं हैंष (मेक्सिको की पाओला रिकोर्टे, इथियोपिया की शोधकर्ता अबेबा बिरहाने, भारत की उर्वशी अनेजा, और लैटिन अमेरिका से मिलग्रोस मिसेली और पाज पेना, अन्य के अलावा) के साथ मिलकर कुछ बुनियादी मिथकों को तोड़ती हैं, जिन्हें इको चौंबर – सोशल मीडिया, बहुराष्ट्रीय निगम, तकनीकी–औद्योगिक दिग्गज, मीडिया – एआई की साख को खराब करने में शामिल होकर परिश्रमपूर्वक प्रचारित कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, एआई की बढ़ती स्वायत्त क्षमताओं का दावा मानव प्रयास से प्रतिस्पर्धा कर रहा है। लेकिन मुर्गिया तथाकथित कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणालियों के बारे में एक बुरी तरह से छिपाए गए रहस्य के बारे में लिखते हैं – कि तकनीक स्वतंत्र रूप से सीखती नहीं है, और इसके लिए मनुष्यों, लाखों लोगों की आवश्यकता होती है।

वैज्ञानिक चेतावनियों की अनदेखी का नतीजा

जयसिंह

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा गत् वर्ष तैयार भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील देश के 147 जिलों के मानचित्र में हिमालयी राज्यों में उत्तराखण्ड को सर्वाधिक और उसके बाद दक्षिण में केरल को दूसरे नंबर पर संवेदनशील दर्शाया गया था। दरअसल, इस मानचित्र में उत्तराखण्ड के रुद्रप्रयाग और टिहरी समेत सभी 13 जिले भूस्खलन के लिए संवेदनशील बताए गए थे, जबकि उसी मानचित्र में केरल के सभी 14 में से 14 जिलों को भी संवेदनशील माना गया था, जिनमें केरल के थ्रिसूर को तीसरे, पालाक्काड पांचवें, मालपापुरम सातवें, कोजिकोडा दसवें और बायनाड को 13वें नम्बर पर रखा गया था। इसरो द्वारा किए गए उस वैज्ञानिक अध्ययन का नतीजा हम पिछले साल हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड में तो देख ही चुके थे लेकिन अब इसरो की भविष्यवाणी केरल में 30 जुलाइ की प्रातः सामने आ गई।

वैज्ञानिक चेतावनियों की अनदेखी और भयावह परिणाम

अगर समय रहते हम वैज्ञानिकों, पर्यावारणविदों और विशेषज्ञ संस्थानों की चेतावनियों की अनदेखी कर बैठे रहेंगे तो इसी तरह के भयावह हादसों को इंतजार करना पड़ेगा। पश्चिमी घाट और हिमालयी राज्यों में भूस्खलन का जोखिम अवश्य ही प्राकृतिक है जिसे हम दूर नहीं कर सकते लेकिन यह जोखिम मानवीय कारकों के कारण काफी बढ़ गया है, इसलिए बचने के लिए जरूरी है कि हम प्रकृति के साथ जीना सीखें और जहां तक संभव हो प्रकृति के साथ छेड़छाड़ न करें।

वनावरण के ह्रास का नतीजा है वायनाड त्रासदी

भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग की 2001 की वन स्थिति रिपोर्ट पर गौर करें तो उस समय केरल में 11,772 सघन वन और 3,788 खुले वन थे। विभाग की नवीनतम 2021 की रिपोर्ट में सघन वनों को अति सघन और सामान्य सघन वन के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इस रिपोर्ट में राज्य में 1,944 वर्ग किमी अति संघन, 9,472 वर्ग किमी सामान्य सघन और 9,837 खुले वन दिखाए गए हैं। नवीनतम् रिपोर्ट के सघन वनों की दोनों श्रेणियों को जोड़ा जाए तो वह 11,416 वर्ग किमी बनता है। जबकि 2001 में राज्य में कुल 11,772 वर्ग किमी सघन वन थे। इस तरह राज्य में दो दशकों में 356 वर्ग किमी सघन वन गायब हो गए। वर्ष 2019 की रिपोर्ट की तुलना में भी 2 साल के अन्दर ही केरल में 36 वर्ग किमी सघन वन घट गए और खुले वनों का आकार 136 वर्ग किमी बढ़ गया। सघन वन धरती की एक प्राकृतिक छतरी होते हैं जो कि बारिश की तेज बूंदों को तो थामती ही है, साथ ही उन वृक्षों की जड़ें मिट्टी को जकड़े रखती हैं जिससे भूस्खलन रुकता है। भूस्खलन पहाड़ी क्षेत्रों में ही होता है इसीलिए हिमालयी राज्यों के साथ ही पश्चिमी घाट से संबंधित कर्नाटक, तमिलनाडू महाराष्ट्र, गोवा और गुजरात के पहाड़ी क्षेत्रों को भूस्खलन के लिए अधिक संवेदनशील माना गया है। केरल के 14 में से 10 जिले पहाड़ी हैं जहां 16, 959 वर्ग किमी क्षेत्र में वन हैं। इन वनों में 15,49 वर्ग किमी अति संघन, 7212 वर्ग किमी सामान्य सघन और 7212 वर्ग किमी खुले वन है। वनों को ह्रास इन्हीं पहाड़ी जिलों में हो रहा है।

केरल में भूस्खलन त्रासदियों का लम्बा इतिहास

वायनाड का नवीनतम् भूस्खलन केरल की कोई नयी त्रासदी नहीं है। यहां भूस्खलनों के लिए प्राकृतिक कारण तो अवश्य हैं मगर इसके लिए मानवीय कारण कम जिम्मेदार नहीं हैं। राज्य में सन् 2001 में कोट्टायम जिले में भी एक बड़े भूस्खलन में कई लोग मारे गए और व्यापक क्षति हुई थी। मानसून के मौसम में, इडुक्की जिले और अन्य क्षेत्रों में भूस्खलन के कारण जान–माल का नुकसान के उदाहरण मौजूद हैं। सन् 2018 की बाढ़ के साथ राज्य भर में कई भूस्खलन हुए। उस समय खासकर इडुक्की, वायनाड और मलप्पुरम के पहाड़ी जिलों में भारी नुकसान हुआ था। इसी तरह 2019 में भी विभिन्न जिलों में भीषण भूस्खलन हुआ। उस समय वायनाड में पुथुमाला और मलपुरम में कवलप्पारा जैसे इलाके गंभीर रूप से प्रभावित हुए थे। अगस्त 2020 में इडुक्की जिले के पेट्टीमुडी इलाके में एक भयावह भूस्खलन हुआ, जिसमें कम से कम 66 लोग मारे गए।

समुद्र का पड़ोस अतिवृष्टि का कारण

केरल में मानसून के मौसम में भारी और तीव्र वर्षा होती है जिससे मिट्टी की धारण क्षमता कमजोर होने से भूस्खलन होता है।

कोचीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीयूएसएटी) में वायुमंडलीय रडार अनुसंधान केन्द्र के एक अध्ययन के अनुसार अरब सागर के गर्म होने से घने बादल तंत्र बन रहे हैं, जिससे केरल में कम समय में ही अत्यधिक भारी वर्षा हो रही है और भूस्खलन की संभावना बढ़ रही है। अध्ययन में कहा गया है कि वर्षा की तीव्रता में वृद्धि मानसून के मौसम में पूर्वी केरल में पश्चिमी घाट के उच्च से मध्य–भूमि ढलानों में भूस्खलन की संभावनाएं बढ़ रही है। वनों को कृषि और शहरी क्षेत्रों में बदलने से मिट्टी को स्थिर करने में मदद करने वाला प्राकृतिक वनस्पति आवरण कम हो रहा है। केरल के पहाड़ी क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर जनसंख्या का केन्द्रीकरण, तेजी से शहरीकरण और बुनियादी ढांचे के विकास होने से प्राकृतिक भूभाग और जल निकासी पैटर्न को बिगड़ रहा है, जिससे भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। विशेषज्ञों के अनुसार मानवीय गतिविधियों या प्राकृतिक घटनाओं के कारण प्राकृतिक जल निकासी पैटर्न में परिवर्तन से जल संचय और छिद्रों में पानी का दबाव बढ़ रहा है, जिससे ढलान अस्थिर हो रहे हैं।

एक पेड़ मां के नाम अवश्य जरूर लगाये

विनोद

छत्तीसगढ़, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और घने जंगलों के लिए प्रसिद्ध है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में 'एक पेड़ मां के नाम' एक अनूठा वृक्षारोपण अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ–साथ मातृत्व का सम्मान, हरे–भरे परिदृश्य को और अधिक हराभरा बनाना है। इस अभियान के तहत हर व्यक्ति को अपनी मां के सम्मान में एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस विचार के पीछे एक गहरा भावनात्मक तत्व है, जो मां के अनमोल योगदान का प्रतीक है। यहां यह उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया है। इस अभियान के अंतर्गत देश में सितम्बर 2024 तक 80 करोड़ एवं मार्च 2025 तक 140 करोड़ वृक्षों के रोपण का लक्ष्य है। 'एक पेड़ मां के नाम' महावृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में 2 करोड़ 75 लाख पौधों का रोपण एवं वन विभाग द्वारा वन एवं वनेत्तर क्षेत्रों में 03 करोड़ 95 लाख 85 हजार पौधों का रोपण किया किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य में 4 जुलाई को 'एक पेड़ माँ के नाम' वृक्षारोपण महाअभियान की शुरुआत की थी। उन्होंने रायपुर स्थित अपने निवास पर दहीमन का पौधा लगाया और नागरिकों से अपनी माँ के नाम पर एक पेड़ लगाने का आग्रह किया। सरगुजा क्षेत्र में प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला दहीमन का पौधा अपने औषधीय गुणों के लिए जाना जाता है और इसका उपयोग विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए किया जाता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में क्रियान्वित इस अभियान के तहत लोग अपनी माता कि सम्मान में पेड़ लगाने के अलावा अपनी आस्था के अनुसार देवी–देवताओं के नाम पर भी पौधे लगा रहे है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस अभियान के तहत वृक्षारोपण स्थलों का नामकरण स्थानीय देवी–देवताओं के नाम से करने का आह्वान किया है।

सभी जिलों में ग्राम एवं पंचायत स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर जनप्रतिनिधियों की भागीदारी से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत आम, जामुन, बेल, कटहल, सीताफल, अनार, शहतूत, बेर, तेन्दू, गंगाईमली जैसे फलदार पौधे तथा लघु वनोपज एवं औषधीय प्रजाति के पौधों जैसे–हर्रा, बहेड़ा, आंवला, नीम, पुत्रजीवा, काला सिरस, रीठा, चित्रक आदि प्रजातियों के पौधों का रोपण हो रहा है। शहरी क्षेत्रों में छायादार प्रजातियां बरगद, पीपल, मौलश्री, कदम, पेल्ट्राफार्म, गुलमोहर, करंज, अशोक, अर्जुन के साथ अन्य प्रजातियों का रोपण किया जा रहा है। अभियान अंतर्गत सभी स्कूलों, छात्रावासों, आंगनवाड़ी केन्द्र, पुलिस चौकी, अस्पताल, शासकीय परिसर, शासकीय एवं अशासकीय भूमि, विभिन्न औद्योगिक संस्थानों की रिक्त भूमि पर इस महावृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण का कार्य किया जा रहा है। वर्तमान समय में वनों की कटाई और प्रदूषण की बढ़ती समस्या को देखते हुए, इस अभियान का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक पेड़ लगाकर पर्यावरण को सुरक्षित रखना है। हर व्यक्ति के जीवन में मां का स्थान विशेष होता है। इस अभियान के माध्यम से, लोग अपनी मां के प्रति अपने प्रेम और सम्मान को व्यक्त कर सकते हैं। इस अभियान को सफल बनाने के लिए प्रचार–प्रसार विभिन्न माध्यमों, सोशल मीडिया, रेडियो, और टीवी के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

निजी उद्यमों को उनका उचित स्थान दिया जान

ललित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थक बजट से अपनी निराशा को लेकर मुखर रहे हैं। विशेषकर वे पहलू जो मध्यम वर्ग और इस मामले में कराधान और संपत्ति की बिक्री से संबंधित हैं। उन्हें शिकायत करते देखना असामान्य है क्योंकि वे आम तौर पर उसके समर्थन में दृढ़ रहते हैं, चाहे कुछ भी हो। मणिपुर या लद्दाख जैसे मुद्दे विरोधियों या असंतुष्टों द्वारा उठाए जा सकते हैं, लेकिन वे भक्त कहे जाने वाले लोगों के समूह को बहुत अधिक परेशान नहीं करते हैं। वे सरकार द्वारा उठाए गए विलक्षण कदमों को स्वीकार कर लेते हैं। इंटरनेट पर यह पंक्ति श्मोदीजी नी किया है तो सोच समझ कर ही किया होगा एक मीम है। यही वजह है कि उनका परेशान होना हमारे लिए दिलचस्पी का विषय है. सवाल यह है कि क्या उनके पास परेशान होने का कोई कारण है? मैं बजट के बारे में नहीं बल्कि उम्मीदों के बारे में बात कर रहा हूं। अगर कोई सोचता है कि उसकी पार्टी किसी चीज के लिए खड़ी है और फिर कुछ अलग करती है, तो उसके परेशान होने का कारण है। जो लोग भाजपा का समर्थन करते हैं और उसे वोट देते हैं वे क्या सोचते हैं कि जब अर्थव्यवस्था की बात आती है तो उसका क्या मतलब है? इसे समझने का एकमात्र तरीका पार्टी के दशकों के घोषणापत्रों पर गौर करना है। तथ्य यह है कि 1951 में अपने गठन के बाद से, जनसंघ के घोषणापत्रों में ऐसा कुछ भी नहीं है जिसमें आर्थिक विचारधारा या हिंदुत्व राज्य को कैसे प्रभावित करेगा, इसके बारे में कोई विचार हो। घोषणापत्र अनाप–शनाप और अनाप–शनाप घोषणाओं का संग्रह है। जब अर्थव्यवस्था की बात आती है, यहां तक घ्कि सबसे बुनियादी स्तर पर भी, जनसंघ ने कोई विशेष जोर नहीं दिया है। पार्टी के घोषणापत्र में कहा गया है कि वह एक ऐसी आर्थिक प्रणाली विकसित करेगी जो राज्य के उद्यमों, यानी सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों को खत्म नहीं करेगी, बल्कि निजी उद्यमों को उनका उचित स्थान देगी। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि पार्टी का संविधान (अनुच्छेद 2) कहता है कि भाजपा समाजवाद की शपथ लेती है। स्वदेशी का मतलब स्थानीय उद्योगों को सब्सिडी देना और टैरिफ संरक्षण भी था। यह खुला बाजार, मुक्त अर्थव्यवस्था की शैली नहीं है, जिसके लिए मोदी समर्थक मानते हैं कि वह इसके लिए खड़े हैं। घोषणापत्रों में कहा गया कि उपभोक्ता वस्तुओं और विलासिता की वस्तुओं के आयात को हतोत्साहित किया जाएगा। हड़ताल और तालाबंदी सहित श्रम अधिकारों को हतोत्साहित किया जाएगा। 1957 में, पार्टी ने घोषणा की कि वह आर्थिक व्यवस्था में ष्क्रांतिकारी परिवर्तनष लाएगी, जो ष्भारतीय जीवन मूल्यों के अनुरूप होगा।ष हालाँकि, इन पर विस्तार से चर्चा नहीं की गई और न ही किसी भविष्य के घोषणापत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन के इस विषय को फिर से उठाया गया। 1967 में, पार्टी ने कहा कि वह एक नियोजित अर्थव्यवस्था के विचार का समर्थन करती है, लेकिन योजना में बदलाव करेगी और ष्क्षेत्र–वार और परियोजना–वार सूक्ष्म– आर्थिक योजना प्रणाली को अपनाएगी। इसने राज्य के हस्तक्षेप की मांग की, लेकिन हर जगह नहीं। इसने निजी निवेश को प्रोत्साहित किया, लेकिन रक्षा क्षेत्र में निश्चित रूप से नहीं। पार्टी ने कहा कि ष्अहस्तक्षेप केवल कृत युग का थाष (जिसे सत युग भी कहा जाता है, पहला आदर्श युग जब देवताओं ने स्वयं पृथ्वी पर शासन किया था)। राज्य को अर्थव्यवस्था के कुछ क्षेत्रों में स्वामित्व और प्रबंधन की जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए। 1954 में, और फिर 1971 में, जनसंघ ने 20रू1 के अनुपात को बनाए रखते हुए भारतीय नागरिकों की अधिकतम आय 2,000 रुपये प्रति माह और न्यूनतम 100 रुपये तक सीमित करने का संकल्प लिया। पार्टी ने कहा कि वह इस अंतर को तब तक कम करने पर काम करती रहेगी जब तक कि यह 10रू1 न हो जाए, जो कि आदर्श अंतर है और सभी भारतीयों की आय केवल इसी सीमा के भीतर हो सकती है। इस सीमा से अधिक व्यक्तियों द्वारा अर्जित अतिरिक्त आय राज्य द्वारा ष्योगदान, कराधान, अनिवार्य ऋण और निवेश के माध्यम से ष्विकास आवश्यकताओं के लिए खरीदी जाएगी। पार्टी शहरों में आवासीय घरों के आकार को भी सीमित करेगी और 1,000 वर्ग गज से अधिक के भूखंडों की अनुमति नहीं देगी। इसकी तुलना ष्न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासनष के नारे से करें और ध्यान दें कि इसमें कोई स्थिरता नहीं है और न ही कोई कारण बताया गया है कि पार्टी एक स्थान से दूसरे स्थान पर क्यों स्थानांतरित हुई। जनसंघ पहले तो कृषि के मशीनीकरण के पक्ष में खड़ा था, लेकिन फिर 1954 में लगभग तुरंत ही इसका विरोध किया (क्योंकि ट्रैक्टरों के इस्तेमाल का मतलब होगा कि बैलों को मार दिया जाएगा)। यह उद्योग स्वचालन के अपने उपयोग को दक्षता के आधार पर नहीं बल्कि कितने अधिक व्यक्तियों को काम पर रख सकता है, इस पर आधारित करना चाहता था। इसमें यह नहीं बताया गया कि एक व्यवसायी को लागत कम करने के बजाय उसे क्यों बढ़ाना चाहिए या बढ़ाना चाहेगा। 1971 में, उसने कहा कि वह रक्षा और एयरोस्पेस को छोड़कर किसी भी उद्योग में कोई स्वचालन नहीं चाहता। मुझे इसकी याद तब आई जब मैंने इस सप्ताह वित्त सचिव के साथ एक साक्षात्कार का शीर्षक देखा। शीर्षक थारू ष्उद्योग के लिए कम स्वचालन का विकल्प चुनने, अधिक श्रम का उपयोग करने का दबाव है।ष हमें यही बताया गया था कि हम 1991 के बाद इससे दूर जा रहे हैं, लेकिन अगर हम भाजपाष जनसंघ के घोषणापत्रों को देखें, तो यह आश्चर्य की बात नहीं है। 1950, 1960, 1970 और 1980 के दशक के दौरान, बेशक, पार्टी केवल उस समय के कांग्रेस घोषणापत्रों का जवाब दे रही थी और उसके पास पेश करने के लिए कुछ भी वास्तविक नहीं था। न ही उन्होंने सोचा कि उन्हें इसकी आवश्यकता हैरू राष्ट्रीय वोट शेयर के साथ, जो 1989 तक एकल अंक में था, भाजपा को पता था कि वह सत्ता में नहीं होगी, उसे कोई नीति लागू करने की आवश्यकता नहीं होगी और इसलिए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थक बजट से अपनी निराशा को लेकर मुखर रहे हैं। विशेषकर वे पहलू जो मध्यम वर्ग और इस मामले में कराधान और संपत्ति की बिक्री से संबंधित हैं। उन्हें शिकायत करते देखना असामान्य है क्योंकि वे आम तौर पर उसके समर्थन में दृढ़ रहते हैं, चाहे कुछ भी हो।

शिव सत्संग मण्डल की भव्य कांवड़ यात्रा विश्व हिंदू परिषद के प्रांत उपाध्यक्ष हर्षवर्धन सिंह के आतिथ्य में निकाली गई

हरदोई(अंबरीष कुमार सक्सेना)

शिव सत्संग मण्डल की भव्य कांवड़ यात्रा शाहाबाद के मुख्य मार्गों से निकाली गई।फर्रुखाबाद पांचाल घाट से चलकर यात्रा अपराह्न 02रू30 बजे बेझा चौराहे से विश्व हिंदू परिषद के प्रांत उपाध्यक्ष हर्षवरधन सिंह के मुख्य अतिथ्य में शुरू हुई।आचार्य अशोक एवं भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक नवनीत गुप्ता, युवा नेता पवन रस्तोगी ने कांवरियों का नेतृत्व किया। यात्रा मुख्य मार्गों से होते हुए शाहजहाँपुर मार्ग से होते हुए शिव सत्संग मण्डल आश्रम मुख्यालय हुसेनापुर धौकल स्थित सिद्धनाथ बाबा मंदिर में पहुंची।जहाँ सभी श्रद्धालुओं ने महादेव पर जलाभिषेक किया। यात्रा में झांकियां, ढोल, डीजे, ढोल–ताशे के अलावा गावों से आई गदा पार्टी,कांवड़ यात्रा की शोभा रहे। इस दौरान करीब सामाजिक संस्थाओं और लोगों ने कांवड़ यात्रा का स्वागत किया। कांवड़ यात्रा में शामिल महिलाओं ने केशरिया, पीले रंग की साड़ी पहनी जबकि पुरुषों को भगवा रंग के गमछे के अलावा कार्यकर्ता ओम नमः शिवाय टी–शर्ट में नजर आए।शोभा यात्रा का मुख्य आकर्षण राम सेवक रस्तोगी द्वारा तैयार की शिव लिंग की झांकी रही। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के प्रांतीय उपाध्यक्ष हर्षवर्धन सिंह के अलावा सभासद रमाकांत मौर्य, आजाद सिंह, अनिमेश त्रिवेदी, सोनपाल,मित्र परिवार के अनुराग श्रीवास्तव, प्रभाकर बाजपेयी,अनमोल यादव, प्रदीप, योग प्रशिक्षक सत्यम सक्सेना, पूर्व प्रधान रमाकांत अवस्थी, सौरभ लाहौरी, लाला राम , प्रचारक प्रेम भाई, व्यवस्थापक यमुना प्रसाद सहित सैकड़ों कांवरिये शोभायमान हो रहे थे।इस कॉवर यात्रा की सुरक्षा के चाक चौबंद इंतजाम इंस्पेक्टर राजदेव मिश्र ने किये।कोतवाली शाहाबाद पुलिस के अलावा थाना बेहटा गोकुल पुलिस का विशेष सहयोग रहा।

अयोध्या स्थित महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर अब नहीं होना है किसी प्रकार का अधिग्रहण

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। अयोध्या में स्थित महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर अब किसी प्रकार का अधिग्रहण नहीं होना है।सोशल मीडिया पर प्रकाशित खबरों का खंडन करते हुए एयरपोर्ट के डायरेक्टर विनोद कुमार ने बताया कि हमारे द्वारा पहले ही भूमि अधिग्रहण पूरा कर लिया गया है। अब सिर्फ विस्तारीकरण प्रारंभ होने के बाद पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को लेकर स्थानीय लोगों के साथ सुझाव से संबंधित एक जनसुनवाई होनी है जिसमें संबंधित लोगों के साथ एक बैठक होना सुनिश्चित किया गया है। जिससे संबंधित विमान प्राधिकरण पत्तन निदेशक द्वारा एक संशोधित पत्र भी जारी कर दिया गया है।

कमिश्नर ने वीसी अयोध्या विकास प्राधिकरण के साथ किया निरीक्षण

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। गुरुवार को मंडलायुक्त गौरव दयाल ने उपाध्यक्ष अयोध्या विकास प्राधिकरण अश्विनी कुमार पांडेय के साथ अयोध्या विकास प्राधिकरण के साथ शहर के गलियों में कराये गये आर0सी0सी0 के कार्यो का भौतिक निरीक्षण किया।इस दौरान उन्होंने शहर के ट्रांसपोर्ट नगर में बनायी जा रही आर0सी0सी0 सड़कों तथा महंत अवैद्यनाथ वार्ड में अयोध्या विकास प्राधिकरण द्वारा बनायी जा रही आर0सी0सी0 सड़कों का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने अयोध्या विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन सड़कों के फुटपाथ के साथ साथ अयोध्या में कहीं भी इंटरलाकिंग ईट का इस्तेमाल न किया जाय। इसके स्थान पर कॉबल ब्लाक का प्रयोग किया जाय तथा बनने वाली आर0सी0सी0 में निर्धारित पैटर्न का अनुसरन करते हुये कान्स्ट्रक्शन ज्याएंट काटे जाए और सरफेस को खुदरा करने के लिए सीधी रेखाये बनायी जाए, जो देखने में बेतरतीब न लगे। उन्होंने कहा कि आर0सी0सी0 मार्ग के दोनों छोर के

एलायमेंट एक सीध रेखा में हों तथा इनके बगल की नालियों में जो पत्थर डाले जाय वह अच्छी कार्य कुशलता के साथ डाले जाए टेढ़ मेढ़े न हों। इसके साथ ही उन्होंने अधिशाषी अभियन्ता अयोध्या विकास प्राधिकरण को निर्देश दिया कि इन आर0सी0सी0 मार्गो में जो भी कमियां है उसे तत्काल दुरूस्त कराकर अवगत करायें।इस मौके पर अयोध्या विकास प्राधिकरण के अधिशाषी अभियन्ता आलोक सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी एवं कार्यदायी संस्था के सम्बधित प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में हुआ तीन दिवसीय वेटलेंड्स फॉर लाइफ फिल्म फेस्टिवल का उद्घाटन

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में दिनांक 1 अगस्त को तीन दिवसीय वेटलेंड्स फॉर लाइफ फिल्म फेस्टिवल का उद्घाटन हुआ। इस फिल्म महोत्सव के लखनऊ संस्करण का आयोजन सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज (नई दिल्ली) द्वारा बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय,द्य पर्यावरण,वन और जलवायु परिवर्तन विभाग, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए जर्मन एजेंसी (जीआईजेड)घ्घ एवं डबल्यू डबल्यू एफ इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 1– 3 अगस्त तक आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर माननीय डॉ. अरुण कुमार सक्सेना, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त मंच पर बीबीएयू के कुलपति प्रो.एन.एम.पी. वर्मा, पर्यावरण,वन और जलवायु परिवर्तन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री मनोज सिंह , उत्तर प्रदेश सरकार के प्रिंसिपल चीफ कंजरवेटर ऑफ फोरेस्ट (वाइल्ड लाइफ), श्री संजय श्रीवास्तव, पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार के सेक्रेटरी श्री आशीष तिवारी , इंडो जर्मन बायो डाइवर्सिटी प्रोग्राम के सीनियर एडवाइजर एवं प्रोग्राम मैनेजर श्री कीर्तिमान अवस्थी, सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज की डायरेक्टर जनरल डॉ. पी. एन. वसंती राव एवं श्री अरविंद विक्रम चौधरी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत बाबासाहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि एवंघ पौधे को जल अर्पित करने के साथ हुई। इसके पश्चात आयोजन समिति की ओर से माननीय अतिथियों को पुष्पगुच्छ , अंगवस्त्र एवं वैटलैंड्स से जुड़ी पेंटिंग देकर सम्मानित किया गया। सर्वप्रथम डॉ. पी. एन. वसंती राव ने सभी को अतिथियों के परिचय से अवगत कराया। इसके पश्चात श्री कीर्तिमान अवस्थी ने सभी को कार्यक्रम की रूपरेखा एवं वैटलैंड्स संबंधी फिल्मों की स्क्रीनिंग के उद्देश्य से अवगत कराया। मंच संचालन का कार्य श्री सव्यसाची भारती द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय की ओर से आयोजन समिति में मीडिया एवं जनसंचार विद्यापीठ के संकायाध्यक्ष प्रो. गोपाल सिंह, पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान विद्यापीठ के संकायाध्यक्ष प्रो. राजेश कुमार, गृह विज्ञान विद्यापीठ की संकायाध्यक्ष प्रो. यू. वी. किरन, भूगर्भ विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. नरेंद्र कुमार एवं डॉ. रचना गंगवार उपस्थित रहीं।

माननीय राज्य मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि वैटलैंड्स

मानवजाति के लिए आवश्यक है क्योंकि पानी मनुष्य की मूलभूत आवश्यकताओं में से एक है। दूसरी ओर विभिन्न प्रकार की जैव विविधता, प्रवासी पक्षी के पलायन एवं कार्बन सिंक के क्षेत्र में वैटलैंड्स की महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकार के साथ– साथ आम जनताघ का भी दायित्व है किघ वह वैटलैंड्स संरक्षण के क्षेत्र में आगे आकर कार्य करे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एन.एम.पी. वर्मा ने चर्चा के दौरान कहा कि वैटलैंड्स का संरक्षण करके एवं उसका सदुपयोग करके कृषि से होने वाली आय को बढ़ाया जा सकता है तथा अन्य रोजगार के साधनों को विकसित किया जा सकता है। हम सभी को इस जागरूकता अभियान को एक बड़ी मुहिम बनाना होगा, जिससे इस विरासत को आगे आने वाली पीढ़ियों के लिए बचाया जा सके।

पर्यावरण,वन और जलवायु परिवर्तन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री मनोज सिंह ने सभी प्रकार के मीडिया माध्यमों , विशेष रूप से फिल्मों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उनका कहना था , कि पर्यावरण एवं समाज से जुड़े मुद्दों पर बनी फिल्मों के माध्यम से लोगों को आसानी से जागरूक किया जा सकता है क्योंकि फिल्में लोगों तक पहुँचने का एक आसान माध्यम है।

उत्तर प्रदेश सरकार के प्रिंसिपल चीफ कंजरवेटर ऑफ फोरेस्ट (वाइल्ड लाइफ), श्री संजय श्रीवास्तव ने वैटलैंड्स को एक प्रकार का विशिष्ट पारिस्थितिकीय तंत्र बताया, जो कि पर्यावरण संरक्षण, जीविकोपार्जन, पृथ्वी पर उपस्थित जल चक्र, प्रति व्यक्ति आय में बढोत्तरी, उपयोगी वनस्पतियों एवं औषधीय पौधों के उत्पादन में सहायक होता है।

पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार के सेक्रेटरी श्री आशीष तिवारी नेघ वैटलैंड्स को आर्थिक रूप से उपयोगी होने के कारण हितधारकों के लिए भी महत्वपूर्ण बताया। साथ ही वैटलैंड्स बहुमूल्य पर्यावरणीय विशेषताओं के धनी होने के साथ– साथ सभी जैविक प्राणियों के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से आवश्यक है। श्री अरविंद विक्रम चौधरी ने भारत में वैटलैंड्स से संबंधित रामसर स्थल की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही श्री कीर्तिमान अवस्थी ने वैटलैंड्स के संरक्षण एवं उससे संबंधित लघु उद्योगों में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। अंत में धन्यवाद ज्ञापन का कार्य जीआईजेड के एडवाइजर याइफाबा अकोइजम ने किया।

कार्यक्रम के दौरान सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज (नई दिल्ली) की डायरेक्टर जनरल डॉ. पी. एन. वसंती राव के दिशानिर्देशन में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्मों की स्क्रीनिंग की गयी, जो आर्द्रभूमि, पानी और जलवायु परिवर्तन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर केंद्रित थी। साथ ही नेशनल फिल्म डेवलपमेंट कार्पोरेशन – फिल्म प्रोडक्शन मुंबई के सीनियर मैनेजर श्री रितेश तकसंदे के निर्देशन में श्सामाजिक प्रभाव फिल्म निर्माणश विषय पर एक त्रिदिवसीय मोजो कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त श्जीवन की नदियाँरू जल और आद्र भूमिश विषय परघ पैनल चर्चा काघ आयोजन किया गया। समस्त कार्यक्रम के दौरान विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष , विभिन्नघ पर्यावरण संबंधी संस्थानों के सदस्य, शोधार्थी , विभिन्न विद्यालयों एवं विश्वविद्यालय केघ विद्यार्थी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्तरीय हैण्ड टु हैण्ड प्रतियोगिता में जयपुरियंस का शानदार प्रदर्शन

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। जनपद बाराबंकी के रामसनेही घाट, भिटरिया स्थित, सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल के बच्चों ने पिछले सप्ताह खेल–कूद शिक्षक सुमित श्रीवास्तव की अगुवाई में मध्य प्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय–स्तरीय हैण्ड टु हैण्ड प्रतियोगिता में भाग लेकर अपने प्रदेश का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में विजयी हुए छात्रों को स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक प्राप्त हुए। प्रतियोगिता में पदक प्राप्त करने वाले छात्र है – अमन पाण्डेय (कक्षा–7) स्वर्ण पदक, अली हम्जा (कक्षा–8) रजत पदक, वेदिका सिंह (कक्षा–8) रजत पदक, हम्जा रहमान (कक्षा 8) कांस्य पदक, साद मुजफ्फर (कक्षा–7) कांस्य पदक। सेठ आनंदराम जयपुरिया विद्यालय परिसर में विजयी छात्रों का स्वागत समस्त उपस्थित शिक्षकों एवं छात्रों द्वारा किया गया। विद्यालय प्रबंधक माननीय डॉ संतोष पाण्डेय एवं डॉ अमरेश गुप्ता जी के द्वारा बच्चों का उत्साहवर्धन किया गया तथा छात्रों को बधाइयां दी गई।

बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में हुआ वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में दिनांक 1 अगस्त को एक वृक्ष– एक छात्र एवं एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत बागवानी एवं सौंदर्यीकरण अनुभाग और विधि अध्ययन विद्यापीठ के संयुक्त तत्वाधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विधि अध्ययन विद्यापीठ की संकायाध्यक्ष प्रो. प्रीति मिश्रा ने विधि विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुदर्शन वर्मा, मानवाधिकार विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. शशि कुमार, अन्य शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों के साथ मिलकर विश्वविद्यालय परिसर में पौधे लगाये। कार्यक्रम के दौरान डॉ. सूफिया अहमद, डॉ. अनीस अहमद, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. राशिदा अतहर, डॉ. अजय सिंह कुशवाहा, मानवाधिकार विभाग एवं विधि विभाग के शोधार्थी एवं विद्यार्थी मौजूद रहें।

बाइक सवार अज्ञात बदमाशो ने युवक को मारी गोली हालत नाजुक जिला अस्पताल में भर्ती

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शाहगंज कोतवाली थाना अंतर्गत नगर स्थित रोडवेज बस अड्डे के बगल भीड़भाड़ वाले स्थान पर बुधवार रात अचानक हड़कंप मच गया जब बाइक सवार तीन की संख्या में बदमाशों ने अधिवक्ता के छोटे भाई को गोली मारकर फरार हो गए। गोली उसके दाहिने पैर में लगी है। शोरशराबा और फायरिंग की आवाज सुनकर मौके पर भगदड़ का माहौल हो गया। ज्यादातर दुकानों के शटर गिर गए। आसपास के लोगों ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से चिकित्सको ने बेहतर इलाज हेतु जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार कौड़ियां के ठकठौलिया गांव निवासी अधिवक्ता भावेश यादव के भाई अभिषेक यादव (27) पुत्र चिरई यादव बुधवार की शाम करीब साढ़े आठ बजे रोडवेज के बगल होटल रायल पैराडाइज के सामने कुछ साथियों से बात कर रहे थे। इसी बीच एक बाइक पर सवार तीन की संख्या में पहुंचे बदमाशों ने अभिषेक को लक्ष्य साधकर फायरिंग कर दिया। गोली उसके दाहिने पैर मे घुटने के पास लगते ही साथ मे खड़े लोगों और आसपास के दुकानदारों में भगदड़ मच गई। परिजन और आसपास के लोगों ने घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना के बाबत सूत्रों की मानें तो कुछ महीने पूर्व दादर पुल पर एक टैम्पो से हुई दुर्घटना में अधिवक्ता के भाई ने अपने साथियों संग उसे पकड़ने में पुलिस की मदद की थी, जिसे लेकर उस दौरान कुछ विवाद भी हुआ था तभी से अभिषेक को जान से मारने की धमकी मिल रही थी। फिलहाल घटना की खबर लगते ही भारी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ अस्पताल में जुटी रही। मौके पर क्षेत्राधिकारी अजित सिंह चौहान, प्रभारी निरीक्षक मनोज सिंह ठाकुर पुलिस बल के साथ डटे रहे। वही इस मामले में जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकार शाहगंज अजीत सिंह चौहान ने बताया कि थाना क्षेत्र के होटल पैराडाइस के पास खड़े अभिषेक यादव निवासी ठकठौलिया को जांघ में गोली मारी गई है। उनकी हालत खतरे से बाहर है बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है मौके से संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है जल्द ही मामले का अनावरण किया जाएगा।

10 अगस्त तक कराए फसलों का बीमा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारत सरकार द्वारा खरीफ 2024 मौसम में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत बीमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई से बढ़कर 10 अगस्त 2024 कर दिया गया है, वर्तमान खरीफ मौसम में ऋणी एवं गैर ऋणी किसान 10 अगस्त तक अपनी फसल का बीमा करा सकते हैं। उप परियोजना निदेशक आत्मा डा. रमेश चन्द्र यादव ने बताया कि ऋणी किसान (जिनके पास किसान क्रेडिट कार्ड है) अपनी बैंक शाखा से संपर्क कर यह सुनिश्चित कर ले कि बैंक शाखा द्वारा उनकी फसल का बीमा किया गया है अथवा नहीं, अगर अब तक फसल बीमा नहीं किया गया है तो दो प्रतिशत प्रीमियम कटवा कर बीमा करा ले तथा गैर ऋणी कृषक अपना आधार कार्ड, स्व प्रमाणित फसल बुआई की घोषणा पत्र, नवीनतम खतौनी की नकल, बैंक पासबुक की छाया प्रति के साथ निकट के कॉमन सर्विस सेंटर अथवा बैंक शाखा से फसल पर देय प्रीमियम अंश जमा करते हुए अधिसूचित फसल धान, मक्का, बाजरा, ज्वार, अरहर, उर्द एवं तिल का बीमा करा सकते हैं। योजना अंतर्गत प्रतिकूल मौसमी स्थितियों से अधिसूचित क्षेत्रों के अधिसूचित फसलों को क्षति होने की दशा में बीमित कृषकों को बीमा कवरध्क्षतिपूर्ति प्रदान किया जाता है। उप परियोजना निदेशक आत्मा डा. रमेश चन्द्र यादव ने जनपद के समस्त किसान भाइयों से अपील किया है कि योजना अंतर्गत अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करते हुए योजना का लाभ ले।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा ब्लाक संसाधन केन्द्र, बक्शा का किया गया निरीक्षण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल ने गुरूवार को विकास क्षेत्र सिरकोनी के प्राथमिक विद्यालय हौज प्रथम, का निरीक्षण किया। प्राथमिक विद्यालय हौज मे पहुंचने पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती रीतू उपाध्याय आकस्मिक अवकाश, सहायक अध्यापिका श्रीमती रचना सिंह चिकित्सकीय अवकाश व सहायक अध्यापिका श्रीमती पूजा मातृत्व अवकाश पर पायी गयी। विद्यालय में कार्यरत शेष अन्य समस्त शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी विद्यालय उपस्थित मिले। विद्यालय मे नामांकित कुल 160 छात्रों के सापेक्ष 89 छात्र उपस्थित मिले। प्रधानमंत्री पोषण योजना के तहत विद्यालय मे बनने वाले मध्यान्ह भोजन में दाल–रोटी बनी हुई प्राप्त हुयी। विद्यालय परिसर साफ–सुथरा पाया गया। बीएसए द्वारा कक्षा 5 मे अध्ययनरत छात्रों से गणित के प्रश्न पूछे जाने पर छात्रों द्वारा सटीक उत्तर दिया। छात्रों का अधिगम स्तर अच्छा पाया गया, परन्तु अधिकतर छात्रों द्वारा यूनिफार्म मे न होने के कारण बीएसए द्वारा मौके पर पर उपस्थित समस्त शिक्षकों को अभिभावकों से समन्वय स्थापित कर प्रेरित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। विद्यालय के निरीक्षण में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं अन्य शिक्षकघ शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के मध्य बेहतर तालमेल न पाये जाने के परिणाम स्वरूप मौके पर ही सम्बंधित खण्ड शिक्षा अधिकारी से वार्ता कर विद्यालय के समस्त कर्मचारियों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित किये जाने हेतु दिशा–निर्देश निर्गत किये गये। ब्लाक संसाधन केन्द्र बक्शा का निरीक्षण बीएसए द्वारा किया गया। ब्लाक संसाधन केन्द्र पर कार्यरत समस्त कर्मचारी निरीक्षण के दौरान उपस्थिति पाये गये। विकास खण्ड के समस्त परिषदीय विद्यालयों हेतु प्रिंट रिच सामग्री का वितरण किया जा रहा पाया गया। विकास खण्ड मे पुरानी फाइलों के बेहतर रख–रखाव एवं केंद्र प्रांगण की समुचित साफ–सफाई हेतु जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा उपस्थित समस्त कार्मिकों को दिशा–निर्देश निर्गत किये गये। तत्पश्चात जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल द्वारा कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय, बक्शा का औचक निरीक्षण अपरान्ह 02.50 पर किया गया। विद्यालय मे कार्यरत समस्त कर्मचारी विद्यालय मे उपस्थित पाये गये। विद्यालय में नामांकित 98 छात्राओं के सापेक्ष 96 छात्रायें मौके पर उपस्थित पायी गयी। विद्यालय परिसर साफ–सुथरा पाया गया तथा विद्यालय मे छात्राओं को रोटेशन के अनुसार निर्धारित मीनू के क्रम में गुणवत्ता युक्त भोजन दिया जा रहा पाया गया।

साले ने अपने सहयोगी के साथ मिलकर किया अपने बहनोई की हत्या

अयोध्या। थाना इनायत नगर क्षेत्र में अपने बहनोई को मौत के घाट उतारने वाले साले व उनके अन्य साथियों को इनायत नगर पुलिस व स्वाट टीम ने आला कत्ल के साथ गिरफ्तार किया। इस बात का खुलासा बुधवार को पुलिस लाइन स्थित सभागार में एसएसपी राज करन नय्यर ने पत्रकार वार्ता के दौरान किया।उन्होंने बताया कि आरोपी मृतक का साला रिंकू यादव उर्फ सुजीत पुत्र सुबेदार यादव ग्राम चिलौदीपुर भदोखर थाना पूरा कलंदर ने अपने सहयोगी सचिन यादव पुत्र केशवराम यादव निवासी ग्राम गंजा थाना पूराकलन्दर व अभिषेक यादव पुत्र राजबली यादव निवासी ग्राम टोनिया रामापुर थाना कैण्ट ने अपने बहनोई को कही और मौत की घाट उतार कर लाश को दूसरी जगह फेंक दिया था।उन्होंने बताया कि मृतक बहनोई ने अपने साले के साथ मिलकर ट्रक खरीदा था।ट्रक की ईएमआई के फाइनेंस के रुपए व ट्रक को हड़पने के लिए साले ने साजिश रची थी।उन्होंने बताया कि इस साजिश में मृतक का साला व दो अन्य साथी शामिल रहे।आरोपियों ने मृतक के शव को शव कार में रखकर थाना इनायतनगर के किसान इंटर कॉलेज के पास झाड़ी मे फेंका था। पुलिस ने आरोपियों के पास से अवैध पिस्टल,घटना में प्रयुक्त वाहन बरामद किया। आरोपियों को गिरफ्तार करने में प्रभारी निरीक्षक थाना इनायत नगर अभिमन्यु शुक्ला व प्रभारी निरीक्षक स्वाट टीम अमरेश त्रिपाठी व उनकी टीम में शामिल पुलिस कर्मी शामिल रहे।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने मेहरबान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किया औचक निरीक्षण

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 लक्ष्मी सिंह ने गुरुवार को जनपद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेंहरावां का औचक निरीक्षण किया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर हाई रिस्क प्रेगनेंसी दिवस ''एचआरपी डे'' मनाया जा रहा था। उक्त के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं की ए0एन0सी0 जांच एवं उन्हें प्रदान की जाने वाली सुविधाओं के बारे में मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जांच पड़ताल किया। स्वास्थ्य केंद्र पर आज काफी संख्या में गर्भवती महिलाएं उपस्थित थी। सभी गर्भवती महिलाओं की जांच एवं अन्य आवश्यक दवाइयां इत्यादि दिया जा रहा था। चिकित्सालय पर सभी आवश्यक दवाओं के स्टॉक की पर्याप्त उपलब्धता थी। सामान्य ओपीडी में भी काफी संख्या में मरीज आ रहे थे।

ग्राम पंचायत अधिकारी महेश तिवारी हुए सस्पेंड

सुल्तानपुर। डीपीआरओ अभिषेक शुक्ला हुए सख्त कूरेभार विकास खंड में तैनात ग्राम पंचायत अधिकारी महेश तिवारी को किया सस्पेंड। महेश कुमार तिवारी,ग्राम पंचायत अधिकारी,विकास खण्ड कूरेभार जिनके विरूद्ध निम्नलिखित आरोपों में विभागीय कार्यवाही प्रख्यापित है,को जिलाधिकारी के अनुमोदनध्स्वीकृति दिनांक के क्रम में तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया जाता है।ग्राम पंचायत रामापुर विकास खण्ड धनपतगंज में आवास आवंटन में अनियमितता करने के लिए उत्तरदायी है।

ग्राम पंचायत रामापुर,विकास खण्ड धनपतगंज में अपात्र लाभार्थियों को आवास का लाभ दिये जाने के लिए उत्तरदायी है।उत्तरध्स्पष्टीकरण न प्रस्तुत किये जाने के लिए उत्तरदायी है।अपने पदीय दायित्वोंध्कर्तव्यों का निर्वहन सुचारू रूप से न करने के लिए उत्तरदायी है।निलम्बन अवधि में महेश कुमार तिवारी ग्राम पंचायत अधिकारी विकास खण्ड बल्दीराय से सम्बद्ध रहेगे। इस प्रकरण में सहायक विकास अधिकारी (प.) कुड़वार को जांच अधिकारी नामित किया जाता है।

ब्लाक प्रमुख ने दिव्यांगजनों को बांटी गईं 7 ट्राई साइकिल

सुल्तानपुर। बल्दीराय ब्लाक परिसर में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की ओर से ट्राई साइकिल दिव्यांगजनों को वितरण किया गया। 7 दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल प्रदान की गई। ट्राई साइकिल मिलने पर दिव्यांग खुश नजर आए।कार्यक्रम के दौरान ब्लाक प्रमुख शिवकुमार सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा जन सामान्य के लिए कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों के लिए कई तरह की सुविधाएं सरकार दे रही है। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग लगातार दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए कार्य कर रहा है। उन्होंने दिव्यांगजनों से आह्वान किया कि उत्साह के साथ जीवन जीएं, हीन भावनाओं से दूर रहें। सरकार हर किसी की मदद के लिए तैयार खड़ी है।इस मौके पर खंड विकास अधिकारी राधेश्याम वर्मा,एडीओ समाज कल्याण अभिषेक गिरी,एडीओ आईएसबी शिवकुमार,प्रधान मोहम्मद सम्मू उर्फ पप्पू,प्रधान कमाल खान,बिजेंद्र उर्फ बहादुर तिवारी,सचिव अरविंद सिंह, सचिव दीप्ति यादव,सचिव घनश्याम यादव,हरिभान सिंह,ठेकेदार तौसीफ खान आदि मौजूद रहे।

इरफान के करीबी शौकत अली का 1.36 करोड़ रुपये का पेंटहाउस कुर्क

कानपुर, संवाददाता। आगजनी मामले में महराजगंज जेल में बंद पूर्व सपा विधायक इरफान सोलंकी के करीबी बिल्डर शौकत अली उर्फ शौकत पहलवान की एक और संपत्ति बुधवार को कुर्क कर ली गई। यह कार्रवाई गैंगस्टर एक्ट के तहत जाजमऊ पुलिस ने की है। सिविल लाइंस के अपार्टमेंट में बने इस पेंटहाउस की कीमत करीब 1.36 करोड़ रुपये है। संगीन अपराधों की सेल के प्रभारी इंस्पेक्टर अरविंद सिंह ने बताया कि ग्वालटोली क्षेत्र में रहने वाली सपा नेता नूरी शौकत के पिता बिल्डर शौकत पहलवान जाजमऊ में नजीर फातिमा के प्लॉट में हुई आगजनी मामले में आरोपी है। शौकत कानपुर जेल में बंद है। पुलिस ने पूर्व विधायक व उनके साथी शौकत समेत सभी आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की थी। इसी क्रम में पुलिस ने शौकत की पत्नी पूर्व सभासद आयशा बेगम के नाम दर्ज पेंटहाउस को कुर्क किया है। यह पेंटहाउस सिविल लाइंस स्थित कार्नर–दो अपार्टमेंट के पांचवें फ्लोर पर है।

क्या होता है पेंटहाउस

किसी इमारत की छत पर बना आवास पेंटहाउस कहलाता है। इसे विशेष रूप से डिजाइन कर बनाया जाता है। छत पर बना होने की वजह से इमारत के अन्य आवासों की अपेक्षा इसमें जगह कहीं ज्यादा होती है।

शौकत की अब तक 50 करोड़ से अधिक की संपत्ति कुर्क

गैंगस्टर के तहत पुलिस अब तक पूर्व विधायक इरफान सोलंकी, उनके भाई रिजवान सोलंकी व सहयोगी बिल्डर अज्जन और शौकत अली की करीब 70 करोड़ रुपये अधिक की संपत्ति कुर्क कर चुकी है। इसमें 50 करोड़ से अधिक की संपत्ति केवल शौकत अली की है।

संक्षिप्त खबरें

आगरा एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन को बम से उड़ा दूंगा

आगरा, संवाददाता। एक युवक ने डीजी कंट्रोल रूम को एक ईमेल भेजा। इसमें उसने आगरा एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन को ब्लास्ट करने की धमकी दी। इसमें उसने 50 किलोग्राम आरडीएक्स एयरपोर्ट पर रखने की बात भी कही। धमकी देने वाले ने ईमेल से मुख्यमंत्री और पुलिस को चौलेंज दिया है। धमकी भरे ईमेल के बाद स्थानीय पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया है। मामले में शाहगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। डीसीपी सिटी सूरज कुमार राय ने बताया कि ईमेल भेजने वाले की जांच की जा रही है।

दो लोगों की ट्रेन से कटकर दर्दनाक मौत

सहारनपुर, संवाददाता। सहारनपुर जनपद के सरसावा थाना क्षेत्र के ग्राम भिक्खनपुर के समीप रेलवे ट्रैक पर कावड़ शिविर से घर वापस लौट रहे दो व्यक्तियों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना मंगलवार रात्रि 10 बजे के करीब की है ग्राम भिक्खनपुर निवासी ईसम सिंह (60) पुत्र बुधराम तथा मोनू (30) पुत्र शेर सिंह ग्राम शाहजहांपुर में चल रहे कावड़ शिविर से वापस लौट रहे थे। दोनों रेलवे ट्रैक को पार कर रहे थे कि अचानक मालगाड़ी आ गई। दोनों कावड़ शिविरों में चल रहे जागरण तथा कावड़ डीजे के शोर में मालगाड़ी का हॉर्न नहीं सुन पाए और रेल से कटकर मौत का शिकार हो गए। जानकारी मिलने पर सरसावा पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं हादसा होते देख लोग ट्रैक की तरफ दौड़े तथा दोनों को पहचान लिया। परिजनों को भी खबर की तो रात्रि में ही परिजन आए तथा बिना किसी कार्रवाई के शव को ले जाने की बात कहने लगे। परंतु पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। इस संबंध में पुलिस ने बताया कि परिजनों ने घटना को हादसा बताते हुए कोई कार्रवाई नहीं करने की बात कही है।

बाइक सवार युवक को दबोचा, स्कार्पियो में डालकर ले गए बदमाश

शामली, संवाददाता। शामली शहर कोतवाली क्षेत्र में अजंता चौक के निकट स्कार्पियो सवार पांच–छह लोगों ने बाइक सवार युवक हरिओम शर्मा उर्फ मोनू का अपहरण कर लिया। सरेआम दिनदहाड़े युवक के अपहरण का शोर मचने पर पुलिस में खलबली मच गई। पुलिस ने मौके पर पड़ी बाइक को कब्जे में ले लिया। अपहृत युवक हत्या के मामले की साजिश में शामिल होने का आरोपी है। अपहृत के बहनोई की तरफ से शहर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। बुधवार दोपहर को शहर के अजंता चौक के निकट स्कार्पियो सवार पांच छह लोगों ने बाइक सवार युवक को रोक लिया और जबरन गाड़ी में डालकर मेरठ की तरफ फरार हो गए। युवक की बाइक मौके पर ही पड़ी रही। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी लेकर मामले की छानबीन शुरू की। पुलिस ने बाइक को कब्जे में ले लिया। कोतवाली पुलिस का कहना है कि मामले की जांच में सामने आया कि अपहृत युवक का नाम मोनू उर्फ हरिओम निवासी गांव भमौरी थाना सरधना जिला मेरठ है। मोनू के बहनोई लाखन शर्मा निवासी चरथावल की तरफ से स्कार्पियो सवार अज्ञात पांच छह लोगों के खिलाफ अपहरण करने की तहरीर दी है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि अपहृत युवक और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

कोतवाली पुलिस ने बताया अपहृत मोनू के गांव भमौरी में करीब एक माह पहले कृष्ण की हत्या हुई थी। इस मामले में मोनू का भाई मोहित व गांव का एक अन्य युवक सौरभ जेल गया था। इस मामले में मोनू भी हत्या की साजिश का आरोपी है, जो फरार चल रहा था। बताया गया है कि मोनू बाइक पर सवार होकर शामली किसी काम से आया था। इसकी जानकारी मृतक पक्ष के लोगों को मिल गई। आरोपी के शामली में होने की जानकारी मिलने पर पांच छह लोग किराये की गाड़ी लेकर शामली पहुंचे और मोनू को उठाकर ले गए थे। एएसपी संतोष कुमार का कहना है कि युवक के अपहरण का मामला सामने आया है। पुलिस टीमें लगी हुई है। जल्द ही युवक को बरामद कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

दो भाइयों की करंट की चपेट में आकर मौत हुई

सहारनपुर, संवाददाता। देवबंद के मोहल्ला बड़जियाउलहक में करंट की चपेट में आकर दो सगे भाईयों की मौत हो गई। दोनों भाई घर के बाहर बेसमेंट (तलघर) में बैठा कबूतर पकड़ने के लिए नीचे उतरे थे। माना जा रहा है कि इसमें भरे पानी में करंट आ रहा था। जिसकी वजह से हादसा हुआ। पुलिस ने दोनों शवों को मोर्चरी भिजवा दिया है।

मोहल्ला बड़जियाउलहक निवासी नौशाद कुरैशी का बेटा उजैफ (14) और उमेर उर्फ सुफियान (10) घर के बाहर सड़क पार निर्माणाधीन बेसमेंट में भरे बरसाती पानी में पड़े मिले। लोगों ने उन्हें देखकर शोर मचा दिया। इस दौरान वहां भीड़ इकट्ठा हो गई। परिजन भी पहुंच गए।

जिन्होंने उन्हें बाहर निकाला और चिकित्सक के यहां लेकर गए। चिकित्सक ने दोनों को जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। बताया जाता है कि दोनों भाई बेसमेंट में अंदर की तरफ बैठा कबूतर पकड़ रहे थे। इस दौरान उसमें भरे पानी को निकालने के लिए लगाई गई मोटर से पानी में करंट आ गया और उसकी चपेट में आकर दोनों की मौत हुई है।

बेरहमी से लाठी–डंडे और बेल्ट बरसाते रहे युवक

शामली, संवाददाता। शामली जनपद में अर्द्धनग्न युवक को बंधक बनाकर लाठी–ड़डों से बेरहमी से पीटने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। मामले में पुलिस ने सात नामजद व कुछ अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। यह मामला करीब डेढ़ माह पहले का बताया गया है, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल होने पर पुलिस ने कार्रवाई की है। बाबरी थानाक्षेत्र के गांव गोगवान जलालपुर में सोशल मीडिया पर गांव गोगवान जलालपुर मे एक युवक को बंधक बनाकर बेरहमी से पीटने के दो वीडियो एक 36 सेकेंड और दूसरा एक मिनट का वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में अर्द्धनग्न युवक के हाथ रस्सी से बांधकर 10–12 युवक गाली–गलौज करते हुए लाठी, डंडों, बेल्टों से बुरी तरह पीटते हुए दिखाई दे रहे हैं।

जान की भीख मांगता रहा मेरठ निवासी युवक

युवक अपना नाम मोहित निवासी गांव सलावा जिला मेरठ बताते हुए जान बख्शने की गुहार लगा रहा है। लेकिन आरोपी उसके साथ गाली–गलौज करते हुए मारपीट कर रहे हैं। वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने इस मामले में गांव गोगवान जलालपुर निवासी हर्षित, ललित उर्फ मांगा, मोंटी, विनय, वंश, रजिस्टर और सन्नी को नामजद करते हुए अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि वायरल वीडियो करीब डेढ़ माह पहले का है। इस मामले में उस समय दो लोगों का शांतिभंग में चालान किया गया था। उस समय मारपीट संबंधी वीडियो सामने नहीं आया था।

भ्रष्टाचार निवारण संगठन टीम ने घुस लेते कानूनगों को किया गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। प्रदेश की योगी सरकार द्वारा भ्रष्टाचार को रोकने के लिए तमाम कवायत की जा रही है जौनपुर के जिला अधिकारी रविंद्र कुमार मांदड द्वारा भी बराबर कार्यालय में आकस्मिक में छापेमारी की जा रही है साथ ही जिलाधिकारी द्वारा यह भी दावा किया जा रहा है कि जनपद में किसी भी कार्यालय में कोई भ्रष्टाचार व्याप्त नहीं है। जिलाधिकारी का यह दावा सिर्फ सफेद हाथी साबित हो रहा है। ताजा मामला बदलापुर तहसील का है जहां दोपहर में उसे समय हड़कंभ मच गया जब वाराणसी से आई भ्रष्टाचार निवारण संगठन टीम ने गुरूवार दोपहर लगभग 2 बजे रजिस्ट्रार कानूनगो को रिश्वत लेते समय रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया है। जैसे ही यह खबर तहसील बदलापुर पहुंची वैसे ही लेखपाल

कानूनगो समेत पूरे तहसील में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार

बदलापुर थाना क्षेत्र के ही सुभाष चंद निगम ने भ्रष्टाचार निवारण संगठन विभाग में लिखित सूचना दिया था कि तहसील के कानूनगो सुभाष चंद सरोज एक काम करने के लिए उनसे 5 हजार रूपए की रिश्वत मांगी थी। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए भ्रष्टाचार निवारण संगठन टीम ने नोटों पर केमिकल लगाकर निगम को दिया और योजना के तहत निगम ने जैसे ही नोट कानूनगो को पकड़ाया वैसे ही तुरंत टीम ने उसे धर दबोच लिया। अपने को फसता हुआ देखकर कानूनगो इधर उधर की पैतरेबाजी करने लगा। लेकिन टीम ने उसकी एक भी नहीं सुना। टीम द्वारा पकड़े गए कानूनगो को बक्शा थाने पर ले आया गया है। भ्रष्टाचार निवारण संगठन टीम द्वारा कानूनी लिखा पढी थाने पर ही की जा रही है। हालांकि इस मामले में तीन द्वारा कोई भी सदस्य अभी कुछ भी बताने को तैयार नहीं है।

दुकानें हटाने के विरोध में कलेक्ट्रेट पर नारेबाजी-हंगामा

अलीगढ़, संवाददाता। अलीगढ़ में तालानगरी स्थित यूपीएसआईडीसी द्वारा सड़क किनारे रखे खोखे, ठेल– ढ़केल आदि की दुकानें हटाने को लेकर 31 जुलाई को दुकानदार कलेक्ट्रेट पहुंचे। इस दौरान एक महिला का हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। इस दौरान महिला फर्श पर गिरकर बेहोश हो गई। महिला का एंबुलेंस बुलाकर उपचार कराया गया। तालानगरी में यूपीएसआईडीसी क्षेत्र में कुछ लोगों ने ठेल, ढ़केल आदि दुकानें लगाकर कब्जा जमा लिया था। कोल विधायक अनिल पाराशर ने इसकी शिकायत मंडलायुक्त चौत्रा वी. से की थी। जिसके बाद इन दुकानों को हटवाकर कब्जा मुक्त करा दिया गया।

दुकानें हटाने के विरोध में तमाम दुकानदार व उनके परिजन कलेक्ट्रेट पहुंच गए। जहां उन्होंने नारेबाजी करते हुए हंगामा करना शुरू कर दिया। तालानगरी की राजबाला,अर्जुन, राम प्रकाश, धर्म प्रकाश,नरेश, सोनू, अजय, सरस्वती, सत्यवीर ने आरोप लगाया कि वह लंबे समय से तालानगरी क्षेत्र में दुकान लगा रहे हैं। बिना किसी सूचना के ही सड़क किनारे एवं गलियों में रखे खोखे एवं कच्ची दुकानों को जबरन तोड़कर उनके कारोबार को तहस– नहस कर दिया गया है। वे रोज कमाने व खाने वाले हैं। इसी से उनके परिवार की गुजर–बसर हो रही है। सपा नेता इं. काशिफ आब्दी ने मांग रखी कि दुकानदारों को एक जगह निर्धारित कर दी जाए। इसी दौरान नारेबाजी कर हंगामा कर रही महिला दुकानदार राजबाला फर्श पर गिरकर बेहोश हो गई।

एडीएम सिटी अमित कुमार भट्ट, एसीएम द्वितीय संजय मिश्रा ने एंबुलेंस बुलाकर महिला का उपचार कराया। इस दौरान दुकानदारों ने ज्ञापन भी सौंपा।

सेवानिवृत्ति पर दो होमगार्ड जवान को दी गई विदाई

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जलालपुर थाने पर तैनात होमगार्ड जवान जगपत यादव व रामसमुझ यादव के सेवानिवृत्ति होने पर गुरुवार को जलालपुर थाना परिसर में प्रदीप दुबे अध्यक्ष होमगार्ड की अध्यक्षता में विदाई समारोह का आयोजन किया गया।मुख्य अतिथि के रूप में फिल्म अभिनेता चन्दन सेठ व जलालपुर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह रहे।इस मौके पर थानाध्यक्ष ने कहा कि इनके साथ कार्य करने के दौरान काफी कुछ सीखने को मिला।हर सरकारी कर्मी के जीवन में यह क्षण आता है। सभी सरकारी कर्मी को कभी न कमी सेवानिवृत्त होना है। चन्दन सेठ ने सेवानिवृत्त होमगार्ड जवान की कार्यों की सराहना किया।बताया यह परंपरा है कि 60 साल के बाद हर किसी को सेवानिवृत्त होना है।इस दौरान फिल्म अभिनेता चन्दन सेठ व थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने जगपत यादव व रामसमुझ यादव को फूल माला,शॉल अंग वस्त्र, साइकिल देकर सम्मानित किया।बृजभूषण उपाध्याय प्लाट्न कमांडर,कृपाशंकर दुबे प्लाटून सहायक कमांडर, सतीश उपाध्याय उपाध्यक्ष, सुनिल मिश्रा संगठन मंत्री, सुशील उपाध्याय संरक्षक, राजेश यादव कोषागार मंत्री,भानु सिंह,सुदर्शन मिश्र,बनारसी प्रजापति,दीपक दुबे, टिन्कू गिरि, मुहम्मद आजाद,रविन्द्र लाल. चन्द्रशेखर सिंह,जगपत यादव, चन्द्रशेखर वर्मा, सुनील मिश्रा, शिवधनी शर्मा, संतलाल मिश्रा, रामफेर सरोज, दलसिंगार यादव, दल श्रृंगार, राजेश यादव, मुन्नीलाल, सुजीत, सतीश, सुशील, राकेश गिरि, सुरेन्द्र यादव सहित थाना के सभी पुलिसकर्मी व होमगार्ड मौजूद रहे।

आधार संशोधन कराने आए ग्रामीणों को लौटाने पर हंगामा, बांदा-प्रयागराज मार्ग जाम

बांदा, संवाददाता। अतर्रा कस्बा स्थित आधार कार्ड सेंटर पर कई दिनों से अपनी बारी का इंतजार कर रहे ग्रामीणों का मंगलवार की दोपहर को गुस्सा फूट पड़ा। आधा सैकड़ा से अधिक ग्रामीणों ने बांदा–प्रयागराज राष्ट्रीय मार्ग को जाम करते हुए प्रदर्शन किया। कोतवाली पुलिस ने आक्रोशित ग्रामीणों को समझा कर जाम खुलवाया, तब जाकर वाहनों का आवागमन शुरू हो सका। कस्बे के बदौसा रोड पर भारतीय निगम दूरसंचार लिमिटेड ऑफिस में पिछले कई सालों से आधार कार्ड केंद्र संचालित है। मंगलवार को आधार कार्ड बनवाने व संशोधित करवाने के लिए करीब आधा सैकड़ा से ज्यादा क्षेत्र की महिलाएं, पुरुष समेत बच्चे अपने–अपने आधार कार्ड बनवाने के लिए पहुंचे। भीषण गर्मी व उमस में लोग लाइन में लगे थे। तभी आधार कार्ड सेंटर के संचालक ने मशीन में सर्वर न आने की बात कहकर जाने के लिए कह दिया, जिस पर सुबह से लाइन लगाए हुए ग्रामीणों

का गुस्सा फूट पड़ा। ग्रामीणों ने एकजुट होकर बीएसएनएल ऑफिस के बाहर ही हंगामा शुरू कर दिया, इसके बाद सभी लोगों ने बांदा–प्रयागराज राष्ट्रीय मार्ग बदौसा रोड पर जाम लगा दिया। कुछ की देर में दोनों ओर सैकड़ों वाहन जाम में फंस गए। करीब आधे घंटे तक ग्रामीण सड़क को जाम किए रहे। सूचना पर भरी पुलिस बल के साथ पहुंचे कोतवाली इंस्पेक्टर कुलदीप तिवारी ने आक्रोशित ग्रामीणों को समझाकर जाम खुलवाया और बाधित आवागमन को बहाल कराया।

आक्रोशित ग्रामीणों ने तहसील पहुंचकर एसडीएम रावेंद्र सिंह को शिकायती पत्र दिया और आधार कार्ड सेंटर के संचालक पर 500 रुपये से लेकर 1500 तक वसूली करके रसूखदार वालों का मात्र काम किए जाने का आरोप लगाया। ग्रामीणों ने बताया कि बजरंगपुर गांव निवासी कमलेश से आधार कार्ड बनवाने के नाम पर संचालक ने 1200 रुपये तथा नगनेधी गांव निवासी दिलीप से 500 रुपये लिया गया है। एसडीएम रावेंद्र सिंह ने बीएसएनएल के एसडीओ को तलब करते हुए जांच करके रिपोर्ट दिए जाने के निर्देश दिए हैं। शिकायती पत्र देने में अनिल कुमार, अरविंद, देवेंद्र, काजल, केशव प्रसाद, प्रतिभा कुशवाहा, अनुराग, अंश कुमार, सहित आदि शामिल रहे।

महिला की निर्मम हत्या, आरोपी ने थाने पहुंच किया सरेंडर

उन्नाव, संवाददाता। उन्नाव जिले में पेसारी गांव में उधार दिए रुपये न लौटाने की खुन्नस में पड़ोसी ने घर के बाहर लेटी महिला की ईंट से कूंचकर हत्या कर दी। वारदात के बाद हत्यारोपी ने थाने पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया। मृतका के बेटे ने हत्यारोपी, उसके दो बेटे, बेटी और दामाद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। आसीवन थानाक्षेत्र के गांव पेसारी निवासी विमला यादव (54) पत्नी उमाशंकर मंगलवार रात घर के बाहर चारपाई पर सोई थीं। रात करीब दो बजे पड़ोसी हरिभान सिंह यादव उर्फ पप्पू महिला के घर पहुंचा और घर के मुख्य दरवाजे की बाहर से कुंडी लगा दी। इसके बाद विमला के सिर, गर्दन और चेहरे पर ईंट से ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी। हत्या के बाद रात में थाने पहुंचकर उसने अपना गुनाह कबूल करते हुए आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस के मुताबिक हत्यारोपी ने बताया कि विमला ने करीब छह साल पहले उससे घर बनवाने के लिए 3.50 लाख रुपये लिए थे। रुपये की जरूरत होने पर उसने जब विमला से रुपये मांगे तो उसने इन्कार कर दिया। इसी गुस्से में आकर उसकी हत्या कर दी। एएसपी दक्षिणी प्रेमचंद, एसओ ज्ञानेंद्र सिंह, फोरेंसिक टीम के साथ पहुंचे। मृतका के बेटे आलोक ने तहरीर देकर हरिभान, उसके बेटे पंकज, रिंकू, दामाद प्रमोद और बेटी पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है। तनाव को देखते हुए गांव में पुलिस बल भी तैनात किया है।

दही थाना क्षेत्र के गजौली गांव निवासी मृतका के भाई प्रदीप यादव ने बताया कि आरोपी की ओर से मृतका को रुपये उधार देने का आरोप गलत है।

चार बच्चों को बिलखता छोड़ प्रेमी संग फरार हुई

मेरठ, संवाददाता। विवाहित प्रेमी के चक्कर में चार बच्चों की मां ने बच्चों को रोता बिलखता छोड़ दिया। जाते समय महिला घर से हजारों की नकदी और जेवरात भी ले गई। बुधवार को एसएसपी दफ्तर पहुंचे पीड़ित पति ने पुलिस से गुहार की कि उसकी पत्नी का पता लगाकर बच्चों के पास भिजवाने में मदद की जाए। पुलिस के मुताबिक मेडिकल क्षेत्र के गढ़ रोड पर रहने वाले युवक ने बताया कि वह मूल रूप से बदायूं का निवासी है और राजमिस्त्री है। परिवार में पत्नी के अलावा तीन बेटी और एक बेटा है। पीड़ित का कहना है कि काम के सिलसिले में भावनपुर क्षेत्र का निवासी प्लंबर अक्सर घर पर आता था। इसी दौरान प्लंबर और राजमिस्त्री की पत्नी के बीच संबंध बन गए। युवक की पत्नी बच्चों को छोड़कर प्रेमी के साथ चली गई।

कार ने स्कूटी में मारी टक्कर, मां–बेटे नाले में गिरे

आगरा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के आगरा में बुधवार की शाम कार की टक्कर से स्कूटी सवार मां और बेटा नाले में गिर गए। लोगों ने भागकर बेटे को निकाल लिया। जबकि महिला बह गई। पुलिस जेसीबी की मदद से महिला को ढूंढने में जुटी रही। काफी देर बाद महिला का शव राजनगर में बरामद हुआ। घटना शाहगंज थाना क्षेत्र के कोठी मीना बाजार की है। यहां मां–बेटे स्कूटी से जा रहे थे। स्कूटी बेटा चला रहा था। 58 वर्षीय मां पीछे बैठी थी। कार ने स्कूटी में टक्कर मार दी। इस पर स्कूटी सवार महिला और बेटा नाले में गिर गए। बहाव तेज होने पर दोनों बहने लगे। मौजूद लोगों ने देखा तो भागकर पहुंचे। लोगों ने बेटे को किसी तरह निकाल लिया। महिला बह गई। सूचना पर पहुंची पुलिस स्थानीय लोगों की मदद से महिला को ढूंढने में जुटी है। नगर निगम की टीम भी पहुंच गई।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।